



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 25 ] नई दिल्ली, शनिवार, जून 24, 1978 (आषाढ़ 3, 1900)  
No. 25] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 24, 1978 (ASADHA 3, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं।

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 मई 1978

सं० ए० 12026/1/78-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थायी स्वागती तथा स्थानापन्न स्वागत पर्य-वेक्षक श्री एस० एल० ओपड़ा को 3-5-1978 से तीन मास की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्वागत अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 मई 1978

सं० ए०-12019/2/78-प्रशा०-II:—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना दिनांक 18 मार्च, 1978 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के स्थायी अनुसन्धान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भार्गव तथा श्री चन्द किरण को कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से 1—126GI/78

तदर्थ आधार पर 1-5-1978 से 31-7-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

प्रा० ना० मुखर्जी,  
उप सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एल० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 31-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(2):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 31-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(3):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 31-7-1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(5):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 15-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(6):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मणि को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 8-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(7):—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नदराजन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-6-78 से 7-7-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(8):—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० आर० खन्ना को, राष्ट्रपति द्वारा 8-5-78 से 30-6-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III(9):—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० के० ढिगरा को, राष्ट्रपति द्वारा 10-5-78 से 9-6-78 तक 31 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो

भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,  
उप सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कर्मचारी चयन आयोग

कामिब और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1978

सं० 10/112/75-प्रशासन:—श्री के० गुडाना, सांख्यिकीय अन्वेषक, ए० एस० ओ०, महालेखाकार की शाखा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी का कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, जो इस समय कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली में अधीक्षक (हौलरिथ) के रूप में स्थानापन्न है, को एतद्वारा, 6 मई, 1978 के पूर्वाह्न से इस आयोग में अधीक्षक (हौलरिथ) के रूप में स्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एस० हामिद,  
अध्यक्ष,  
कर्मचारी चयन आयोग

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 जून 1978

सं० ओ० दो० 270/69-स्थापना:—श्री डी० पी० शर्मा ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, कमांडेंट, 6वीं वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, के पद का कार्यभार 30-11-77 (अपराह्न) को त्याग दिया है।

दिनांक 2 जून 1978

सं० ओ० दो० 894/74-स्थापना:—श्री एस० पी० कठपालिया, अनुभाग अधिकारी/प्रशासन अधिकारी, महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, की सेवार्थ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को दिनांक 20-5-78 (पूर्वाह्न) से सौंप दी गई है।

दिनांक 3 जून, 1978

सं० ओ० दो० 1083/78-स्थापना:—राष्ट्रपति, डाक्टर वी० श्रीनिवासा राव को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 14 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो० 1086/78-स्थापना:—राष्ट्रपति, डाक्टर एस० राजन को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-दो (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 4 मई, 1978 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धुपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

## महानिरीक्षक का कार्यालय

## केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 26 मई 1978

सं० ई० 38013(1)/1/78-कार्मिक—भिलाई से स्थानांतरण होने पर श्री बी० आर० लूथरा, भा० पु० से० (मध्य प्रदेश-60) ने 6 मई, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 29 मई 1978

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक—पटना को स्थानांतरण होने पर श्री एस० पी० द्विवेदी ने 28 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट टी० आई० एफ० नैनी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पटना से स्थानांतरण होने पर श्री एस० के० ऋषि ने 28 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से टी० आई० एफ० नैनी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 31 मई 1978

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक—मथुरा में स्थानांतरण होने पर श्री भूपिंदर सिंह राना ने 3 मई, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट आर० एस० पी० राउरकेला के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—न्यू जलपायगुरी में स्थानांतरण होने पर श्री के० पी० नायक ने 27 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, कलकत्ता के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—नैनी में स्थानांतरण होने पर श्री एस० के० ऋषि ने 25 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय पटना के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रा० च० गोपाल,

महानिरीक्षक,

के० औ० सु० ब०

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 29 मई 1978

सं० 485/ए०—दि० 30-4-78 के क्रम में सर्वश्री जे० एच० सय्यद और आर० व्यंकटरमन को उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 30-6-78 तक उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

जी० सी० मुखर्जी,

महा प्रबंधक,

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

## बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 जून 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/24/76—वर्तमान, कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के रु० 650-1200 रु० के वेतनमान वाले पद को प्रशासन अधिकारी रु० 840-1200 के वेतनमान में पदोन्नयन हुए पद के अनुसरण में, केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग, वित्त मंत्रालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सी० सी० उष्णिक्कण्णन की, जो कि इस समय कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर है, पदोन्नत पद पर प्रशासन अधिकारी के रूप में दिनांक 1-6-1978 से आगामी आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री जगन्नाथ गुप्ता स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (स्याही कारखाना उत्पादन) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना उत्पादन) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री अरुण कुमार इंगले स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (स्याही कारखाना उत्पादन) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (स्याही कारखाना अनुसन्धान एवं प्रयोगशाला) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री ज्हाय जनार्दनराव स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट मुद्रण) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त

नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री एन० आर० जयरामन स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (स्टूडियो एवम् केमरा) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री रामपाल सिंह स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट मुद्रण) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेटनिर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-78 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री समरेन्द्र दास स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (आफसेट मुद्रण) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेटनिर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री एम० दत्ता स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (उत्कीर्णन) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवम् उत्कीर्णन) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—श्री एम० पौन्युराई स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (विद्युत अभिरूपण) को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में दिनांक 1-6-1978 से तीन माह के वास्ते अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

पी० एस० शिवराम,  
महा प्रबन्धक

कार्यालय महालेखाकार हरियाणा

चण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1978

सं० क्र० प्र०/235—उप-महालेखाकार (प्र०) कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा चण्डीगढ़ ने केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण व अपील) नियम, 1965 खंड 19 (11) तथा नियम 12, में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री स्वाभी सरन सत्संगी, प्रवरण लेखा परीक्षक को, उन्ही नियमों के नियम 11 (ix) के अधीन, कार्यालय आदेश सं० क्र०/162 दिनांक 14-3-78 ए० प्रशासन 1/की० ए० जी० ए०/एस० पी०/गोपनीय/अ(1) 5297 दिनांक 14-3-78 द्वारा निर्गमित की गई दिनांक 7/1/1973 से सरकारी सेवा से निकालने का दण्ड दिया जो कि भविष्य में सरकारी सेवा के लिए अयोग्य होगा।

एम० एस० घोवर,  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश—प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 29 मई 1978

सं० का० आ० प्रशासन 1/11-144(xiv)/44—महालेखाकार उत्तर प्रदेश प्रथम इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश प्रयन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

सर्वश्री

- |                       |         |           |
|-----------------------|---------|-----------|
| 1. जगदीश नारायण खन्ना | 12-5-78 | पूर्वाह्न |
| 2. श्री राम II        | 18-5-78 | पूर्वाह्न |

उ० रामचन्द्र राव,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

नई दिल्ली-110054, दिनांक 3 जून 1978

सं० का० आदेश० प्रशासन 5/76/23(ए) (2) अधिसूचनाएं—मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तार ने डाक-तार लेखा परीक्षा संगठन के अनुभागाधिकारी श्री डब्ल्यू सी० सचदेव को, नेहरू विश्व-विद्यालय में वेतनमान रुपये 840-1200 पर सहायक वित्तीय अधिकारी का पद सम्भालते हुए, दिनांक 24-11-75 से मूल-नियम 30(1) के द्वितीय परन्तुक के अधीन लेखा अधिकारियों (अब लेखा परीक्षाधिकारियों) के ग्रेड रु० 840-40-1100

दक्षतारोह-40-1200 में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त किया है। उसकी पदोन्नति तदर्थ आधार पर है तथा संशोधनाधीन है।

सं० का० आदेश० प्रशासन 5/73/23 (ए) (2) अधिसूचनाएं—मुख्य लेखा परीक्षक डाक-तार ने निम्नलिखित अनु-भागाधिकारियों की पदोन्नति कर उनको स्थानापन्न लेखा परीक्षाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने उल्लिखित डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में अगले आदेशों तक तैनात किया गया है। उनकी पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर हैं और संशोधनाधीन है।

क्रम संख्या	नाम	डा० ता० शा० ले० परी० का जिससे अनुभाग-धिकारी सम्बन्धित है	डा० ता० शाखा ले० परी० कार्यालय जिसमें के रूप में पदोन्नति की तिथि नियुक्त किया गया है।	लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
<b>सर्वश्री</b>				
1.	एस० सुन्दराराजन	नागपुर	जयपुर	9-2-1978 (अपराह्न)
2.	जी० रामाचन्द्रा राव	हैदराबाद	भोपाल	17-2-1978 (पूर्वाह्न)
3.	एम० गणपति	मद्रास	नागपुर	23-2-1978 (पूर्वाह्न)
4.	ई० पुरुषोत्थामन्	त्रिवेन्द्रम	नागपुर	6-3-1978 (पूर्वाह्न)
5.	सुखबीर सिंह	कपूरथला	जयपुर	24-4-1978 (पूर्वाह्न)

एस० कृष्णन, वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक

## रक्षा मन्त्रालय

दिनांक 31 मई 1978

महानिदेशालय, आर्डेनेन्स फैक्ट्रिया

भारतीय आर्डेनेन्स, फैक्ट्रिया सेवा

कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1978

सं० 20/जी/78—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक / सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शाया गई तारीख से, आगामी न होने तक, नियुक्त करते हैं।

(1) श्री एस० के० भाटिया, 22 जून, 1976  
स्थायी उप-प्रबन्धक

(2) श्री डी० एन० सरकार, 22 जून, 1976  
स्थायी डी० ए० डी० जी०

दिनांक 30 मई 1978

सं० 24/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० एन० सेनगुप्ता, स्थायी डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० दिनांक 30 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 25/78/जी०—सेवा निवृत्त पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री एम० ए० डी० सूजा,  
स्थायी उप-महाप्रबन्धक — 31 अगस्त, 1977  
(अपराह्न)
2. श्री जे० पी० शुक्ल,  
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक  
(मौलिक एवं स्थायी स्टोर होल्डर) 31, जुलाई, 1977  
(अपराह्न)
3. श्री एच० एन० मित्रा,  
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक  
(मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) 30, सितम्बर, 1977  
(अपराह्न)
4. श्री क० डी० चक्वर्ती  
स्थानापन्न सहायक-प्रबन्धक  
मौलिक एवं स्थायी फोरमैन 31, दिसम्बर, 1977  
(अपराह्न)

सं० 26/78/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, निम्न-लिखित अधिकारी गण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री बी० पार्थसारथी, 30 जून, 1977 (अपराह्न)  
स्थायी प्रबन्धक
2. श्री आर० एन० मैत्रा,  
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक  
(मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) 31 मई, 1977 (अपराह्न)

सं० 27/78/जी०—दिनांक 1-9-1975 से दो वर्षों की पुनः नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर, श्री एम० एस० सुब्रह्मण्यम, अस्थायी प्रबन्धक, दिनांक 31, अगस्त, 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्ट्रियां

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1978

सं० 12/490/65-प्रशासन (राजपत्रित)—निदेशक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास द्वारा स्वीकृत 22 विन (16-2-78 से 9-3-78 तक) के अर्जित अवकाश की समाप्ति पर श्री सी० दौराली उपनिदेशक (यांत्रिक) लघु उद्योग विकास संगठन के सेवाएं 10-3-78 (पूर्वाह्न) से विपणन प्रबन्धक के रूप में उनकी नियुक्ति हेतु परियोजना व उपकरण निगम लि० को सौंपी जाती हैं।

बी० वेंकटरायलयु,  
उपनिदेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 30 मई 1978

सं० 10 (1)/73-78/सी० एल० बी०-II—कपास नियंत्रण आदेश, 1955 के खंड 5 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 10 (1)/73-74/सी० एल० बी० II दिनांक 19 दिसम्बर 1974 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

एक. (1) उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में क्रमसंख्या 1 के सामने स्तम्भ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “एक मास” इन शब्दों के स्थान पर “दो मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(2) क्रमसंख्या 2 के सामने स्तम्भ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “दो मास” इन शब्दों के स्थान पर “साढ़े तीन मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(3) क्रमसंख्या 3 के सामने स्तम्भ 3 में विद्यमान प्रविष्टि में “डैढ़ मास” इन शब्दों के स्थान पर “तीन मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

दो. अनुसूची के नीचे द्वितीय परस्तुक में “तीन मास” इन शब्दों के स्थान पर “साढ़े चार मास” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

तीन. ये परिशोधित स्टाक सीमायें 1 जून 1978 से प्रभावी होंगी।

गौरी शंकर भार्गव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1978

सं० प्र०-6/247 (347)/62—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा के (ग्रुप ए० ग्रेड-II) इंजीनियरी शाखा के अधिकारी श्री एम० शंकरालिंगम, को 26-4-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक, सेवा के ग्रुप ए० ग्रेड-1 में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० शंकरालिंगम ने 17-4-78 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के निरीक्षण स्कंध के मुख्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी) का पदभार छोड़ दिया तथा कलकत्ता निरीक्षण मंडल, कलकत्ता में 26-4-78 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया।

सं० प्र०-6/247(495)/64-III—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा के (ग्रुप ए० ग्रेड-II) धातुकर्म शाखा के अधिकारी श्री के० एम० तनेजा को 22-4-78 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक, सेवा के ग्रुप ए ग्रेड 1 में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री के० एम० तनेजा ने 15 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के निरीक्षण स्कंध के मुख्यालय में उप निदेशक (निरीक्षण) (धातु) का पदभार छोड़ दिया तथा धातुकर्म निरीक्षणालय, बर्नपुर में 22-4-78 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन),  
कुले महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 मई 1978

सं० 3988/बी०-1/40/59/सी०/19ए०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री बी० के० चटर्जी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810- द० रो० -35-880-40-1000 -द० रो० -40-1200 रु० के बेतनमान में, तदर्थ

आधार पर, आगामी आदेश होने तक, 3-4-78 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के केन्द्रीय क्षेत्र के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० आर० विष्वास के स्थान पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एम० कृष्णस्वामी,  
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 31 मई 1978

सं० ए-19011/234/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री एम० एन० माकोडे को 2 मई, 1978 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में सहायक ग्रयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एच० के० तनेजा,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 30 मई 1978

सं० स्था० 1-5371/579-सले० 74 (कला-II)—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या स्था० 1-5213/579-सले० 74 (कला II) दिनांक 4 मई, 1977 के अनुक्रम में श्री जे० एम० शर्मा, अधिकारी सर्वेक्षक ग्रुप 'बी' सेवा, की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 30-3-78 से एक साल के लिए और या उस समय तक जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

के० एल० खोसला,  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 जून 1978

सं० 11-17/75-ए० 1—श्री डब्ल्यू० एन० सिंगन, सहायक अभिलेखाधिकारी ग्रेड I (ओ० आर०) को बिल्कुल तदर्थ आधार पर 20 मई 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक [डा० सरवत अली, अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) जो अवकाश पर हैं, उनके स्थान पर] स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (ओ० आर०) (राजपत्रित श्रेणी 2) नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के दावे का कोई अधिकार नहीं देगी, और न ही आगे उच्च पद में पदोन्नति सम्बन्धी ग्रहंता व वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए गिनी जाएगी।

सनन्दन प्रसाद,  
अभिलेख निदेशक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-70009, दिनांक 1 जून 1978

सं० 29-16/77 संस्था—श्री एम० पी० काला वरिष्ठ शोध सहायक राष्ट्रीय एटलस संस्था में विशुद्ध अस्थाई एवं तदर्थ रूप में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी 10 मई 1978 से अग्रिम आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 जून 1978

सं० 35-2/75-संस्था०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर० के० चन्द्रा स्थाई वरिष्ठ शोध सहायक को राष्ट्रीय एटलस संस्था में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में अग्रिम आदेश होने तक पदोन्नत किया जाता है जो 5-5-1978 (मध्याह्न पूर्व) से लागू होगा।

श्री पी० के० अधिकारी, क्षेत्राधिकारी राष्ट्रीय एटलस संस्था में विशुद्ध अस्थाई एवं तदर्थ रूप में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर 5-5-1978 (मध्य-पूर्व) से अग्रिम आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

एस० पी० दासगुप्त,  
निदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1978

|| सं० ए-19012/7/78-एस० 2—महानिदेशक, दूरदर्शन श्री आर० डी० शर्मा जो पहले आकाशवाणी जयपुर में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे, को उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र कटक में 20 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से रुपए 650-1200 के वेतनमान में आगे आदेश होने तक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सी० एल० आर्य,  
उपनिदेशक (प्रशासन)

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 मई 1978

सं० ए०-19012/8/70-एसो (ए)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री ए० सी० बरकटकी को इस निदेशालय में 22-4-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक बिल्कुल अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० के० मुकर्जी,  
उप निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1978

सं० ए० 19019/1/78-के० स्वा० योज०—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से अपना तबादला हो जाने

के फलस्वरूप हकीम (श्रीमती) सईदा फातिमा, यूनानी फिजीशियन ने 12 अप्रैल, 1978 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

हकीम (श्रीमती) फातिमा ने 22 अप्रैल, 1978 से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० ए० डाकालिया,  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन तथा निरीक्षण महानिदेशालय

फरीदाबाद IV, दिनांक 2 जून 1978

सं० फाईल ए० 4-6 (119)/77-प्र० —इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम० दिनांक 23-3-78 द्वारा दिनांक 8-6-78 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री रमेश चन्द्र सिंघल को अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 8-9-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० फाईल ए० 19025/10/78-प्र० III —इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम० दिनांक 18-2-78 द्वारा दिनांक 16-5-78 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री एस० पी० सक्सेना की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 16-8-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० फाईल ए० 19025/23/78-प्र० III —इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम० दिनांक 18-2-78 द्वारा दिनांक 24-6-78 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री ए० ए० शुक्ला की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 24-9-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

सं० फाईल ए० 19023/51/78-प्र० III —संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री बी० के० सुदामे, सहायक विपणन अधिकारी, को दिनांक 22-4-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक गुन्टूर में रु० 650-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग 1), नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री सुदामे ने दिनांक 22-4-78 के पूर्वाह्न में गुन्टूर में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० फाईल ए० 19023/57/78-प्र० III —श्री ए० चक्रवर्ती, सहायक विपणन अधिकारी को फरीदाबाद में दिनांक 25-5-78 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर 3 (तीन) माह के लिए या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री ए० चक्रवर्ती ने दिनांक 18-5-78 के पूर्वाह्न में अमृतसर में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/72/78-प्र० तृ० —श्रीमती अनसुइया मिश्रा राजन वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, बंगलौर में दिनांक 1-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेद प्रकाश चाबला  
प्रशासन निदेशक  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 3 जून 1978

क्रमांक 4-5/77-प्र० —मणीपुर शासन के श्री ए० सी० सिंह जो वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण भूदान, जो कि इस संस्था की एक इकाई है, में सहायक वन संरक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे थे, की सेवाएं 31-5-78 (अपराह्न) से मणीपुर शासन को पुनः सौंप दी गई हैं।

सी० एल० भाटिया  
मुख्य समन्वयक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, 400085 दिनांक 24 मई 1978

सं० 19 (7)/71/पुष्टि/1047 —नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री ई० रामकृष्णन, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थाई आशुलिपिक तथा स्थानापन्न निजी सचिव को दिनांक 1 अगस्त, 1975 से अनंतिम मौलिक रूप से निजी सचिव नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री के० राजन के निजी सचिव के पद के पुनर्ग्रहणाधिकार के निलंबन के कारण हुई है, जो इस समय आय ए० ई० ए० वि० के गवर्नरों के बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले गवर्नर के निजी सचिव का पद ग्रहण किए हुए हैं।

कु० एच० बी० विजयकर,  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई, दिनांक 1 जून 1978

सं० क्र० भ० नि०/ 23/4177/संस्थापन/144701 —निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री पी० बाल-सुब्रह्मण्यम, सहायक क्रय अधिकारी को अवकाश स्वीकृत किये जाने पर, इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक श्री बी० सी०



वर्क को दिनांक 15-5-78 से 17-6-78 तक इसी निदेशालय में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क्र० भ० नि०/ 23/4/77/संस्थापन/144696—निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री वी० सी० जॉन सहायक क्रय अधिकारी को अवकाश स्वीकृत किये जाने पर, इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक श्री जी० वी० वर्तक को दिनांक 1-5-78 से 9-7-78 तक इसी निदेशालय में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क्र० भ० नि०/ 23/4/77/संस्थापन/ 144706 :—निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जे० जी० सिंह, सहायक क्रय अधिकारी को अवकाश स्वीकृत किये जाने पर, इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक श्री एम० गोबिन्दन को दिनांक 1-5-78 से 3-6-78 तक इसी निदेशालय में, सहायक क्रय अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी  
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास-600006, दिनांक 22 मई 1978

संदर्भ : एम० आर० पी० यू० 200(15)/78-प्रशा० :—निदेशक, क्रय एवं भंडार, क्रय और भंडार निदेशालय, मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना भंडार, कलपक्कम के एक स्थानापन्न भंडारी श्री वी० श्रीपाद राव को 17 अप्रैल, 1978 से 15 जुलाई, 1978 तक की अवधि के लिए उसी यूनिट में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी  
क्रय अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग  
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 25 मई 1978

सं० पी० ए० आर०/ 1603/846 :—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र श्री एम० सत्यनारायण सा, स्थानापन्न फोरमैन को 17 मई, 1978 के पूर्वाह्न से यांत्रिक अभियांत्रिकी सेवाओं, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में आगामी आदेशों तक के लिए एस० ओ०/ इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० आर०/ 1603/847—मुख्य कार्यपालक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र श्री एस० अमरेन्द्र राव, स्थानापन्न फोरमैन को 17 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से यांत्रिक अभियांत्रिकी सेवाओं, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में आगामी आदेशों तक के लिए एस० ओ०/ इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

तक के लिए एस० ओ०/ इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव  
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक 5 जून 1978

सं० राप विप/ भर्ती/10(8)/78-स्थल/ 125 :—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, इस परियोजना के स्थायीवत् पोस्ट ग्रेजुएट टीचर और स्थानापन्न सलेक्शन ग्रेड-पोस्ट ग्रेजुएट टीचर श्री एम० के० शर्मा को, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में स्थानापन्न रूप से उग प्रधानाचार्य ( वाइस प्रिंसिपल ) के पद पर, दिनांक 1-6-1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

( परमाणु खनिज प्रभाग )

हैदराबाद-4500016, दिनांक 27 मई 1978

सं० प० ख० प्र० 1/30/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एतद्द्वारा श्री एस० सुकुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में एक स्थानापन्न पद पर पूर्वाह्न, 24 मई, 1978 से अगले आदेश तक, वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जून 1978

सं० प० ख० प्र० 1/11/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा श्री ए० के० माधुर, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक ग्रेड 'सी०' को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 1 फरवरी, 1978 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र० -1/11/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, एतद्द्वारा श्री टी० के० भट्टाचार्य, स्थायी विद्युत् फोरमैन को परमाणु खनिज प्रभाग में दिनांक 1 फरवरी, 1978 की पूर्वाह्न से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/11/77-प्रशासन :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा श्री एम० ए० टालीवाल, स्थायी तकनीकी सहायक ग्रेड 'सी०' को परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 1 फरवरी, 1978 से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप में वैज्ञानिक अधिकारी / अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

## भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 28 मार्च 1978

सं० 05045/78/पी०-164/1552 :—भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) के श्री जी० पद्मनाभन, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी को, इस के साथ एक अतिरिक्त प्रवरण श्रेणी लिपिक के मूल पद पर 1 अप्रैल, 1977 से भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 जून 1978

संदर्भ भाषाप/स्था०/ब० 27/2631:—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-अधिकारी ने श्री दिगम्बर विश्वनाथ भोकरकर अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) भारी पानी परियोजना (वड़ोदा) का त्यागपत्र 25 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है। अतः श्री भोकरकर को कार्यमुक्त कर दिया गया था।

के० शंकरनारायणन  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

## तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना, दिनांक 12 मई 1978

सं० टी० ए० पी० एस० / 1/34(1)/77-आर० (Vol II)—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजली घर, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित व्यक्तियों को आगामी पद पर पदवृद्धि के लिए चयन हो जाने के फलस्वरूप, तारापुर परमाणु बिजलीघर में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता एस० बी० के पद पर 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी० 40-1200 के वेतनक्रम में, इसी बिजलीघर में अस्थायी क्षमता में 1 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम तथा पद
1. श्री पी० बालकृष्णन,	वैज्ञानिक सहायक 'सी०'
2. श्री डी० एम० पांडेय	वैज्ञानिक सहायक 'सी०'
3. श्री एम० एस० सत्यानम,	ट्रेड्समैन 'जी०'
4. श्री एम० पी० थामस,	ट्रेड्समैन 'जी०'

ए० डी० देसाई,  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

## पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1978

सं० ई० (1) 03934:—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री पी० एल० तलवार

निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुखराम गुप्ता,  
मौसम विज्ञानी (स्थापना),  
कृते वैद्यशालाओं के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1978

सं० सी० 13015/1/77-ई० डब्ल्यू० :—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में श्री पी० एम० वर्गिस फायर ऑपरेटर, को महानिदेशक नागर विमानन, नई दिल्ली के दिनांक 17-10-77 के ज्ञापन सं० 13015/1/77-ई० डब्ल्यू० के अन्तर्गत सेवा समाप्ति का नोटिस दिया गया था। परन्तु श्री वर्गिस से उपरोक्त ज्ञापन प्राप्त करने की रसीद नहीं मिली है।

उपरोक्त नियमावली के अनुसरण में श्री पी० एम० वर्गिस फायर ऑपरेटर नागर विमानन विभाग, निवास स्थान ए० 390, पूर्वी किडवई नगर, नई दिल्ली को एतद्वारा इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक मास की अवधि समाप्त होने की तारीख से सेवा समाप्ति का नोटिस दिया जाता है।

फतेह चन्द सुद,  
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1978

सं० ए० 12025/1/78-ई० डब्ल्यू० :—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० बी० वैद्य सहायक अग्निशमन अधिकारी दिनांक 31-3-78 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 31 मई 1978

सं० ए० 12025/1/77-ई० डब्ल्यू० :—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री ए० बैनर्जी को दिनांक 15-3-78 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कलकत्ता में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा  
उपनिदेशक प्रशासन

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 3 जून 1978

सं० ए०-34014/3/78-ई० आई० :—वैद्यशालाओं के महानिदेशक नीचे लिखे व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के सामने

लिखी तारीखों से आगामी आदेश तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त होने की तारीख	तैनाती का कार्यालय
1	2	3	4

सर्वश्री			
1. एस० के मुखर्जी	5-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता	
2. अजित सिंह	17-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र नई दिल्ली।	
3. बी० अलवार	18-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास।	
4. जे० जे० मसिलमनी	10-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास।	
5. जी० एस० रेंताला	19-4-1978	निदेशक, कृषि मौसम विज्ञानी, पुणे।	
6. एस० एच० जोगलेकर	19-4-1978	वेधशालाओं के उप-निवेशक, (पूर्वानुमान), पुणे।	
7. के० के० मंडल	18-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली।	
8. एन० जी० सिकंदर	18-4-1978	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली।	
9. सदानंद राय	18-4-1978	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली	
10. टी० के० राय	29-4-1978	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम केन्द्र, भुवनेश्वर।	
11. श्री पी० एल० कथाने	19-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र मद्रास, नागपुर।	
12. एस० के० दास	19-4-1978	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक, (पूर्वानुमान), पुणे।	
13. एम० बी० विश्वास	19-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता।	
14. बी० के० गंगाधरन	1-5-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई।	

1	2	3	4
15. कृष्ण आलडा	28-4-1978	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, विशाखापत्तनम।	
16. टी० डी० प्रधान	18-4-1978	निदेशक, कृषि मौसम (अपराह्न) विज्ञान, पुणे।	
17. एस० जे० पखारे	19-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई।	
18. एस० सी० दास	10-4-1978	प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता	

गुरुमुखराम गुप्ता,  
मौसम विज्ञानी  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,  
देहरादून, दिनांक 3 जून 1978

सं० 16/273/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० कुन्दन सिंह भण्डारी को दिनांक 14-2-1978 के पूर्वार्द्ध से अगले आदेश तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अंतर्गत 'तेलीय राल सम्बन्धी अनुसंधान तथा मार्ग प्रदर्शन केन्द्र' शिलांग में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर,  
कुल सचिव,  
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय

कानपुर, दिनांक 30 मई 1978

सं० 17/78—श्री पी० एन० बनर्जी, निरीक्षक "प्रवरण कोटि" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग खा, बेटनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फल स्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22 ई० टी०-78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गम कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए० 4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक एम० ओ० आर० एटा के पद का कार्यभार दिनांक 23-1-78" पूर्वार्द्ध ग्रहण किया।

के० प्रकाश आनन्द,  
समाहर्ता

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1978

सं० 26/1978-स्थापना—श्री एम० एम० मीर-चन्दानी, रसायन सहायक ग्रेड 1, सीमाशुल्क प्रयोगशाला, कांडला को दिनांक 1-5-1978 (पू०) से आगामी आदेशों के जारी होने तक नवीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई में सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक रूप से नियुक्त किया गया।

दि० रा० गुप्ता, मुख्य रसायनज्ञ,  
केन्द्रीय राजस्व, नियुक्ति अधिकारी

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1978

सं० ए०-19012/708/78-प्रशासन पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री जे० पी० विद्वन्स, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष को विशेष अधिकारी (प्रलेख) की श्रेणी में पदोन्नति पर केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर 1 मई, 1978 की पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री विद्वन्स केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पुणे में विशेष अधिकारी (प्रलेख) के पद पर 1/5/1978 से दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा,  
अवर सचिव

## निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1978

सं० 33/1/78 ई० सी० 9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग, द्वारा नामित श्री डी० वी० एस० सिन्हा की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतन मान में 700 रुपये प्रतिमास पर सामान्य शर्तों पर 12-5-78 (पूर्वाह्न) से उप वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा समूह-ए०) नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिन्हा 12-5-1978 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखे जाते हैं।

कृष्ण कान्त,  
प्रशासन उप निदेशक

## केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-22, दिनांक 30 मई 1978

सं० 6/5/78-प्र० 2/अध्यक्ष—केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (श्रेणी 'ब') सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में, उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से, अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री श्रीराम पराटे— 10-02-1978
  2. श्री सी० एस० कसाना 10-02-1978
- संतोष विश्वास,  
अवर सचिव

## मध्य रेलवे

प्रधान कार्यालय कार्मिक शाखा

बम्बई वी० टी०, दिनांक 1 जून 1978

सं० एच० पी० वी०/220/जी०/II/एल०—निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत् इंजीनियर (श्रेणी II) को उनके नाम

के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है।

नाम	श्रेणी दो की सेवा में स्थायीकरण की तारीख
श्री एस० के० लाहिरी	1-12-1977

पु० रा० पुसालकर, महा प्रबंधक

## पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय  
(कार्मिक शाखा)

पांडू, दिनांक 2 जून 1978

1. ई०/283/30 भाग VI (O) श्री टी० राम, महाप्रबन्धक के सहायक सचिव, (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 1-1-78 से प्रवर वेतनमान में प्रवर कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
2. सं० ई०/283/30 भाग VI (O) श्री एन० के० दत्त, कार्यालय अधीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-1-78 से महाप्रबन्धक के सहायक सचिव के पद पर पूर्णतयः तदर्थ आधार पर द्वितीय श्रेणी सेवा में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
3. ई०/283/82/भाग-XI (O) श्री एस० ए० आलम, सहायक सहायक वाणिज्य अधीक्षक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 7-1-78 से प्रवर वेतन मान में जिला वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
4. ई०/283/82/भाग-XI (O) श्री एम० एन० दास गुप्ता सी० पी० एन० आई० (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 13-1-1978 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक

- वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
5. ई०/283/82/भाग-VI(O) श्री एम० एन० चतुर्वेदी, सहायक कामिक अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 10-1-78 से प्रवर वेतनमान में मण्डल कामिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
6. ई०/283/31/भाग-IX(O) श्री ए० के० घोष, सहायक अनुसंधान इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 26 जनवरी, 1978 से प्रवर वेतन में मंडल इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
7. ई०/283/30/भाग-VI(O) —श्री ए० जी० बनर्जी, टी० थार्ड (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 31-1-78 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक कामिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
8. ई०/283/30/भाग-VI(O) —श्री एम० एल० जंड, सहायक कामिक अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 1-2-78 से प्रवर वेतन मान में प्रवर कामिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
9. ई०/283/31/भाग-IX (O) —श्री एम० सी० बेनुगोपाल, निर्माण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 8-2-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
10. ई०/283/iii/128 भाग-III (O) —श्री ए० डी० मिहा, प्रवर फोरमैन (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 11-2-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में पूर्णतयः तदर्थ आधार पर सहायक बिजली इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न सहायक रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
11. ई०/283/82/भाग-XI(O) —श्री सी० आर० राय, सहायक वाणिज्य अधीक्षक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 3-3-78 से प्रवर वेतनमान में प्रवर दावा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
12. ई०/283/32/भाग-XI(O) —श्री बी० कुमार, याई मास्टर (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 5-3-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
13. ई०/283/iii/34 भाग VIII(O) —श्री एच० एन० मजुमदार, कार्यालय अधीक्षक, (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 7-3-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा पूर्णतयः तदर्थ आधार पर मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
- ग-II(O) —श्री ए० के० शोभ, यातायात निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 10-3-78 से द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है।
15. ई०/283/iii/129/भाग-III(O) —श्री एस० आर० दास, शर्मा, सहायक भंडार नियंत्रक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 11-2-78 से प्रवर वेतनमान में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

16. ई०/283/iii/142/भाग-III—श्री के० सी० बरुआ, निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 23-3-78 से पूर्णतयः तदर्थ आधार पर द्वितीय श्रेणी सेवा में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

मा० रा० न० मूर्ति, महा प्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री के० मुत्तु एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई, 1978

सं० 3778/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री के० मुत्तु एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मरुतांबिके ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई, 1978

सं० 3835/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री मरुतांबिके ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्रंथम आरोमाटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई 1978

सं० 4150/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ग्रंथम आरोमाटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ई० सी० रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 31 मई 1978

सं० 4378/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ई० सी० रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अच्युतन

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स गेटवे टुर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 1 जून 1978

सं० 12899/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स गेटवे टुर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अक्वारीअस शीपींग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 1 जून 1978

सं० 17242/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स अक्वारीअस शीपींग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० ए० विजयन मेनोन  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और लक फास्ट केमिकलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 30077/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लक फास्ट केमिकलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सि० नाथ,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
पश्चिम बंगाल।

आयकर आयुक्त, नार्थ ईस्टर्न रीजन का कार्यालय  
शिलांग, दिनांक 13 जून, 1978

सूचना

आयकर अधिनियम 1961 ( 1961 का 43 ) की धारा 287, उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार का इस विचार होने के कारण, कि ऐसी कार्यवाही लोकस्वार्थ के लिए उचित है, मैं केन्द्रीय सरकार द्वारा मुझ पर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूँ जिनके बकाया कर की रकम वित्तीय वर्ष 1977-78 का अंतिम दिन 1,00,000 रुपये या इससे अधिक थी :—

क्र० सं० निर्धारितियों के नाम और पता बकाया कर की रकम

1	2	3
1. मैसर्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोर-हाट, आसाम		रुपये 2,47,941
2. श्री दुर्गादत्त शर्मा, के०/ओ० मैसर्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन जोरहाट, आसाम		8,37,424

1	2	3
3. शेख मोहम्मद नवाब, जोरहाट, आसाम		1,50,626
4. इसराइल खान ( मृत ), पांच आली, डिब्रुगढ़, आसाम		2,49,559
5. मैसर्स मंगलचन्द रामकुमार एण्ड को० डिब्रुगढ़, आसाम		1, 66,457
6. मैसर्स तोलाराम विजय कुमार ( हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब ) धुबरी, आसाम		1,15,924
7. सरदार गुरबचन सिंह के०/ओ० रामकृष्ण एण्ड को०, बी०-26 कैलास कालोनी, नयी दिल्ली-48		1,43,202

एस० एन० सेन,  
आयकर आयुक्त

आरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 जून 1978

ए० एस० आर० /17/ 78-79 यतः मुझे, एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

जिसकी स० खसरा न० 1026 मिन है तथा जो रत्न चन्द रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री लालचन्द पुत्र श्री हरीचन्द, तिलकराज, राजकुमार, जनकराज पुत्र श्री नाल चन्द 7-बी-ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री जगन्नाथ, श्री मनोहर लाल विजय कुमार, विनोद कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी कूचा तेवारीयान, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नाप 405 वर्ग मीटर जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2438 अक्टूबर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-6-78

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 6 जून 1978

निदेश सं० एसआर/18/78-79—यतः मुझे एस० के०  
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जसकी सं० भू-खण्ड कोर्ट रोड, अमृतसर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में ग और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीब  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—126GI/78

1. हरचरन मिह पुत्र श्री तेजा सिंह निवासी पट्टी, जि०  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ पुत्र श्री मुशीराम निवासी प्रताप बाजार  
छेहाटी

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार  
हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख सं० 2264 अक्टूबर  
1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 6 जून 1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1978

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/131/सितम्बर 1(14)/77-78—अतः मुझे, जे० एस० गिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई-363 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० करतार सिंह, सुपुत्र श्री एस० सौदागर सिंह, निवासी जेड-1/ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एस० सक्सेना, सुपुत्र स्वर्गीय श्री जी० एल० सक्सेना, निवासी 254, डा० एनी विस्तत रोड, प्रभा देवी, बम्बई-400025।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० 363, ब्लॉक नं० 'ई' जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहपुर गांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न-प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई०-361

पश्चिम : मकान नं० ई०-365

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड़।

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/11/1307/78-79/  
1056—यत. मुझे, एन० एस० चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 20/82 है तथा जो शक्ती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री चरणजीत लाल शर्मा, सुपुत्र श्री भगत राम, निवासी एफ-101, अशोक बिहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता जैन वनाम् श्रीमती सुरीन्द्र कान्ता जैन पत्नी श्री देव राज जैन, निवासी 3/14, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अड्डाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन तरफ से खुला प्लॉट जिसका नं० 82, ब्लॉक नं० 20 (20/82) है, और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, शक्ती नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 20/81

पश्चिम : मैन रोड

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सर्विस लेन।

एन० एस० चौपड़ा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-6-1978 -

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून, 1978

निर्देश सं० 4422/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्न  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 86, राजेन्द्र प्रसाद रोड, टाटाबाद, कोयम्बतूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधिपुरम  
'डाकुमेण्ट 828/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० नटराजन और के० वेलुचामी

(अन्तरक)

2. श्री चोक्कलिकम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, टाटाबाद, राजेन्द्र प्रसाद रोड, डोर सं० 86,  
टी० पी० स्लीम सं० 5, टी० एस० सं० 747 में 17 सेंट  
और 435 स्क्वियर फीट (भूमि और मकान)।

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1978

निर्देश सं० 5899/सप्टेंबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 ए, मेडिल रोड,  
मद्रास-17 'भूमि' और ग्राउण्ड फ्लोर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०- , मद्रास नार्थ  
(डाकुमेण्ट 2488/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) ने बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी भाय या किसी धन या अग्न्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
यै उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री टी० डी० रामसुब्रमनियम और श्रीमती एस०  
जमुना।

(अन्तरक)

2. (1) श्री डी० कम्बलीन

(2) श्री के० ए० एस० मोहम्मद इब्राहीम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वक्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास 17, टी० नगर, मेडिल रोड, डोर सं० 21 ए में  
भूमि और ग्राउण्ड फ्लोर (डाकुमेण्ट 2488/77)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-6-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. डाकुमेण्ट 1466/77।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री नटराजन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जून 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० 8011/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डाकुमेण्ट 1466/77 है तथा जो .....  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०  
आर० पान्डिचेरी, (डाकुमेण्ट 1466/77) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारिक 11 कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
मया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

अनुसूची

भूमि और मकान (डाकुमेण्ट 1466/77)।

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-6-78

मोहर :

## प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० आरपीफन/34/77-78/ —अतः मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 बीघा और 19 बिसवा है तथा जो गांव : ऊँद तासील : रूप नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रूप नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जिवा सिंह पुत्र गोहाला वासी गांव ऊँद तहसील रूपनगर।

(अन्तरक)

2. श्री भाग सिंह पुत्र श्री जिवा सिंह वासी गांव ऊँद तहसील रूपनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 बीघा 19 बिसवा है तथा जो गांव ऊँद तहसील रूपनगर में स्थित है।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रूपनगर के कार्यालय में विलेख नं० 2034, अक्टूबर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 जून 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/31/77-78/ —अतः मुझे, नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 14' x 86' है तथा जो लोहा बाजार मंडी गोबिन्द गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री सुख देव राय निवासी कोठी नं० 63, सैक्टर 19-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री सुरज मल पुत्र श्री जोहरी लाल निवासी लोहा बाजार मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 14' x 86' है जो लोहा बाजार मंडी गोबिन्द गढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख नं० 1409 फरवरी 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,  
सख्त प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/30/77-78/ —यतः मुझे, नत्थू  
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के  
अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान जिसका क्षेत्रफल 14' 86'  
है तथा जो कि लोहा बाजार, मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी  
1978

स पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्प (सिन्पा)  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति :—  
4—126GI/78

1. श्रीमती सन्तोष रानी पत्नी श्री सुखदेव राय निवासी  
कोठी नं० 63 सेक्टर 19-ए चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री मन नारायण पुत्र श्री जोहरी लाल निवासी लोहा  
बाजार मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 14' × 86' है जो कि  
लोहा बाजार मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के  
कार्यालय के विलेख नं० 1408 फरवरी 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सशम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 जून 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/17/77-78—अतः मुझे, नन्धू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी भूमि 1/3 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 7 बिसवा है तथा जो गुरु-की-नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकरण निम्नलिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री मान सिंह पुत्र श्री पोहलू सिंह वासी मंडी गोविन्दगढ़ (अन्तरक)

2. मैसर्स भारत आरिज व सट्टील रोलिंग मिलज वासी मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्सा भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह के विलेख नं० 1133 दिसम्बर, 1977 में दर्ज है।

नन्धू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/20/77-78—अतः, मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्द गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री पोहलू सिंह वासी मंडी गोविन्दगढ़।

(अन्तरक)

2. मैसर्जे भारत आरिन तथा स्टील मिलज मंडी गोविन्द गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**व्याख्याकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/3 हिस्सा भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख नं० 1168, दिसम्बर, 1977 में दर्ज है।)

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० एएमएल०/21/77-78/ —यतः मुझे नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1977

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स गुरु अर्जन आयरन तथा स्टील रोलिंग मंडी गोविन्द गढ़

(अन्तरक)

2. मैसर्स भारत आयरन तथा स्टील रोलिंग मिलज, मंडी गोविन्द गढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 बिसवा है तथा जो गुरु की नगरी भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के विलेख नं० 1169 दिसम्बर, 1977 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 जून 1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एएमएल/16/77-78/—अतः मुझे, नत्थू  
राम;

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा का 1/3 हिस्सा है तथा जो  
गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंवा किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

1. श्री राम सिंह पुत्र श्री पोहलू सिंह वासी मंडी गोविन्द  
गढ़ ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स भारत आयरन तथा स्टील रोलिंग मिलज  
वासी मंडी गोविन्दगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 1/3 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 6 बिसवा है  
तथा जो गुरु की नगरी, भारत नगर, मंडी गोविन्दगढ़ में स्थित  
है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के  
कार्यालय के विलेख नं० 1111 तारीख दिसम्बर, 1977 में  
दर्ज है ।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 जून 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निदेश सं० एलडीएच/203/77-78/—प्रतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 634-2/3 वर्ग गज और म्यूनिसिपल नं० बी-189/3 है तथा जो मेजर गुरदियाल सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीतः—

1. श्री सुरेश पाल मित्तल पुत्र श्री बाल किशन दास वासी B-XIX/189/3 मेजर गुरदियाल सिंह रोड, लुधियाना।

2. श्री पूरन चंद पुत्र श्री खजानवी लाल B-VIII/353 मोकपुरा लुधियाना अब B-XIX/189/3 मेजर गुरदियाल सिंह रोड, सिविल लाइनज, लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मकान जिसका क्षेत्रफल 634-2/3 वर्ग गज है और जिसका म्यूनिसिपल नं० B- 189/3 है तथा जो मेजर गुरदियाल सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है।

(आयदाव जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख पनं० 2072 अक्टूबर 1977 में दर्ज है।)

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एलडीएच/213/77-78/—अतः मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है,

और जिसकी सं० कोठी नं० 110-आर जिसका क्षेत्रफल 405.87 वर्ग गज है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में स्थित है और जो लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रेम कौर विधवा सरदार प्रताप सिंह निवासी कोठी नं० 355-आर माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष बती पत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता निवासी कोठी नं० 110-आर माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 110-आर० जिसका क्षेत्रफल 405.87 वर्ग गज है जो कि माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख नं० 2278 अक्टूबर 1977 में वर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 2 जून 1978

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० एलडीएच/333/77-78/—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अन्तर्गत अधिनियम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15-15 ए प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थातः—

1. सर्वश्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री मुकन सिंह, बहादुर सिंह पुत्र श्री कुन्दन सिंह निवासी सरकर तहसील नकोदर।

(अन्तरक)

2 श्री गुरनाम सिंह पशु पुत्र श्री बहादुर सिंह निवासी 38-ई० सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15-15 ए जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है जो कि सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के निलेख नं० 2100 अक्टूबर 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 2 जून 1978  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 5 जून 1978

निदेश सं० पीटीए/57/77-78—अतः मुझे, नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका क्षेत्रफल 4058 वर्ग गज है है तथा जो तरपरी (पटियाला) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ठीकियों अर्थात् :—

5—126GI/78

1. श्री बलवीर सिंह पुत्र हरी सिंह Attorney of सरदार हरभजन सिंह पुत्र बरयाम सिंह, तरपरी।

(अन्तरक)

2. (1) श्री लाल इन्द्र सिंह }  
(2) श्री बलिनद्र सिंह } : (पुत्रान सुरिबन्द्र सिंह )  
(3) श्री हरजिन्द्र सिंह }

निवासी माडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 4058 वर्ग गज जो कि गांव तरपरी तहसील और जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के विलेख नं० 3553 अक्टूबर, 1977 में दर्ज है।)

नत्थू राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 5 जून 1978 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 5 जून 1978

निर्देश सं० एलबीएच/204/77-78—अतः मुझे, नत्थूराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान जिसका क्षेत्रफल 48 वर्ग गज है तथा जो शाप नं० बी/7/1150 सामने घंटा घर, जी० टी० रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र मरंजन सिंह निवासी गली नं० 6बी/16/304, कुचा नानक पुरी मुहल्ला मिलर गंज, लुधियाना (अन्तरक)

2. (1) श्री तेजा सिंह पुत्र भगत सिंह

(2) श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री तेजा सिंह मैसर्ज बम्बे वाच कम्पनी सामने घंटा घर, जी० टी० रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त धरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान क्षेत्रफल 48 वर्ग गज जिसका नं० बी/7/1150 जो कि सामने घंटा घर, जी० टी० रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख नं० 2083 अक्तूबर 1977 में दर्ज है।)

नत्थूराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 5 जून 1978

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/भोपाल 78-79/1014—

अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सागर मल चम्पालाल जी (2) श्री निर्मल कुमार सागरमल जी । (3) श्री महेन्द्र कुमार सागरमल जी निवासी सं० नं० 7 गेस हाऊस रोड, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. आनन्दी लाल मागीलाल द्वारा मेसर्स आनन्द अम्बेला स्टोर्स दुकान नं० 92, नगर निगम रोड, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 4 गेस हाऊस रोड, इन्दौर ।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1015  
—प्रतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी भाव या कितनी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः यव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती कान्ताबाई पत्नी श्री चांदमल निवासी ई-21, गोरखपुर रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री सलामत 63, साकेत, इन्दौर।

(2) श्री सुन्दर पुत्र श्री गोविन्द राम, निवासी 63, साकेत इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 63, साकेत नगर, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1016

—प्रतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 259-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री भीम जी भाई वधेला पुत्र श्री पोपट लाल वधेला निवासी 12, नामली कोठी, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री तैय्यब अली,

(2) श्री शम्शेर भाई,

(3) खुजेमा भाई,

(4) श्री जोहर भाई सभी पुत्र श्री हाजी फकरुद्दीन निवासी मकान नं० 15, बोहरा बाखल, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 40 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2, स्ट्रील नं० 1, काछी मोरला, इन्दौर ।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1017

—अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भंवर लाल पुत्र श्री बलदेव जी दागवी निवासी 50, राधानगर, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती किरण गिनवानी पत्नी श्री श्याम सुन्दर गिनवानी निवासी 20-बी, प्रेमनगर कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20-बी, प्रेम नगर, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1018

—अतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० के अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-10-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री सईद एहमद पुत्र श्री हकीम एहमद रहमान, निवासी 78, रानीपुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रसाद हरबकश शर्मा, निवासी 6/7, छोटी म्वाल टोली, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 39, जावरा कम्पाउन्ड, मैन रोड, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल 78-79/1019

—अतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-10-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिव शक्ति गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित 75, खजूरी बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र सिंह प्रताप सिंह मोदी निवासी 6/7, महेश नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5, 25 यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल 78-79/4020—

यतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खुला प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आयन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिष्टाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
6-126-GI/78

1. श्री बख्तावर सिंह उत्तम सिंह जी निवासी मकान नं० 302, विष्णुपुरी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरुबाबा कृपालदास उदासी बैला गुरुबाबा संत-दास जी निवासी 144, बैराठी कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 20-ए, प्रेम नगर कालोनी, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल 78-79/1021  
—यतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरलिप्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री मल्हार राव ।  
(2) श्रीमती मृनालिनी राजे पत्नी श्री मन्त मल्हार  
राव होल्कर ।  
(3) श्री जगदीपेन्द्र सिंह ।  
(4) श्रीमन्त अंशुमन राव ।  
(5) श्रीमन्त गौतमराव, सभी निवासी राम निवास कोठी,  
पीपलयापाला, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री धनराज पुत्र श्री छगन लाल जैन, निवासी  
36/2, राजबाड़ा, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 का सामने का भाग, राजबाड़ा इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एस्वी/भोपाल 78-79/1022—  
यतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री मल्हार राव।
- (2) श्रीमती मुनालिनी राजे पत्नी श्रीमन्त मल्हार  
राव होल्कर।
- (3) श्री जगदीपेन्द्र सिंह।
- (4) श्रीमन्त अंशुमनराव।
- (5) श्रीमन्त गौतमराव सभी निवासी रामनिवास कोठी  
पीपलयापाला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमृतबाई पत्नी श्री जीवराज निवासी  
मुछाल भवन, 467, ए० एम० टी० कलाथ मार्केट, इन्दौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 के पूर्वी भाग का हिस्सा, राजबाड़ा,  
चौक, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978  
मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/  
1023—यतः मुझे टी० के० श्रीनिवासनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है प्रकट मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण ने हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिये;  
और/या(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्ति  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा नहीं किया गया था, या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री मल्हार राव।

(2) श्रीमती मृनालोनी राजे पत्नी श्रीमन्त मल्हार राव  
होल्कर।

(3) श्री जगदीपेन्द्र सिंह।

(4) श्रीमन्त अंशुमन राव।

(5) श्रीमन्त गौतम राव सभी निवासी रामनिवास  
कोठी, पीपलयापाला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री जीवराज पुत्र श्री टीकरसी निवासी 176, एम०  
टी० क्लाय मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखने  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 के पूर्वी भाग का हिस्सा, राजबाड़ा चौक,  
इन्दौर।टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1968

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1024—यतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनि, 25-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री मल्हार राव।
- (2) श्रीमती मृनालिनी राजे पत्नी श्रीमन्त मल्हार राव होल्कर।
- (3) श्री जगदीपेन्द्र सिंह।
- (4) श्रीमन्त अन्शुमन राव।
- (5) श्रीमन्त गौतम राव सभी निवासी राम निवास कोठी पीपलयापाला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार बसन्ती लाल जी बठिया-24, राजवाड़ा चौक, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 24 के पूर्वी भाग का हिस्सा, राजबाड़ा चौक, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल/78-89/

1025—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 26) के अधीन, 31-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बाबूलाल जैन पुत्र श्री दौलतराम जैन निवासी लोहा बाजार, भोपाल।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती रामकली देवी पत्नी श्री छगनलाल।

(2) श्री छगन लाल पुत्र श्री मन्ना लाल सोनी निवासी चन्दपुरा तह० व जिला रामसेन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान बार्ड नं० 15 मंगलवारा, भोपाल।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/  
1026—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल, में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
19-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधन, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती नूरबी पत्नी श्री जलील खां पठान निवासी  
इस्लाम पुरा, भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल लतीफ खां पुत्र श्री अब्दुल हमीद खां  
निवासी यूनानी शफाखाना, भोपाल।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

वो मंजिला मकान वार्ड नं० 29, जिसी रोड, जहांगीरा  
बाद, भोपाल।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1027—प्रतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन, आ-कष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि बिल्डिंग व मशीन है, तथा जो जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगदलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-11-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स तनवानी ट्रेडिंग कम्पनी जगदलपुर पार्टनर्स द्वारा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सिधेश्वर राइस एण्ड आयाल मिल, अगनपुर आठ पार्टनर्स के द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 16 की कुल रकबा 4.80 एकड़ भूमि में से 3.80 एकड़ रकबा भूमि स्थित ग्राम अगनपुर, जिला बस्तर मय तमाम भवनों, मशीनरी, प्लान्टों, चावल मिल, आयाल मिल, प्लान्ट, तेल घानियों और एक्सपेलरों सहित पूरी और मय इलेक्ट्रिक मोटरों, एक स्टीम बायलर और सभी या प्रत्येक अचल सम्पत्ति जो उक्त भूमि पर स्थित है।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/  
1028—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

7—126GI/78

1 (1) श्री मल्हार रात्र होल्कर।

(2) अमती मृनालिनी राजे पत्नी श्रीमल्हार रात्र  
होल्कर।

(3) श्री जगदीपन्द्र सिंह।

(4) श्री अंशुमन रात्र।

(5) श्री गौतम रात्र व

(6) कुमारी संगीता राजे पुत्री श्री मल्हार रात्र होल्कर  
निवासी राम निवास कोठी, पीपलमापाला इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री मनसुख लाल एवं सोजातिया एच० यू० एफ० द्वारा  
कर्ता श्री ओम प्रकाश सोजातिया निवासी 27, राजबाड़ा, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः— /

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 34 का पश्चिमी भाग, राजबाड़ा इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1029—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिहास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती नर्बदा बाई विधवा पति श्री कन्हैया लाल ओझा।

(2) श्री महेन्द्र कुमार।

(3) श्री तरुण कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल ओझा निवासी 10/2, तम्बोली बाखल, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र पुत्र श्री सीताराम जैन निवासी 108, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2 का पूर्वी भाग तम्बोली बाखल मेन रोड, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारी : 3 जून 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1030—

प्रतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दामोदर पुत्र श्री श्रींकार लाल और श्री सत्यनारायण  
पुत्र श्री श्रींकार लाल निवासी खुरमपुरा, तराजपुर जिला  
पश्चिम निमाड़ खरगौन (म० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री मांगीलाल पुत्र श्री कैशरी मल कोठारी निवासी  
कस्ब, सांवेर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 59 शहीद भगत सिंह मार्ग, इन्दौर ।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० टी० एन० सी० एवबी/भोपाल/78-79/1031-  
अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-10-1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बचन, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री मोहम्मद युसुफ पुत्र श्री अबुल खलील निम्नसी  
सिलावटपुरा म० नं० 128, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री शिवकुमार अन्तर्वेदी पुत्र श्री चुन्नीलाल अन्तर्वेदी  
निवासी 60, वीर सांवरकर मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभा-  
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 16, नार्थ हरसिद्दी, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० एम्बी/भोपाल/78-79/1032

—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-10-1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सतीश चन्द्र पुत्र श्री सोहन लाल जी साधी,  
निवासी 25, पलामिया मेन रोड, इन्दौर।

(2) श्रीमती आनन्दी बाई बेवा पत्नी श्री ठाकुर  
आत्मा राम सिंह वायसएक्सीक्यूटर निवासी 7/2, पलासिया,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कचन बाई पत्नी श्री अनंतलाल जी महेश्वरी  
निवासी 146, दशहरा मैदान, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ज्ञात करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्ग  
के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्ग के गवध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6/267 (भाग) स्थित शंकू मार्ग, फ्रीगंज,  
उज्जैन।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

तारीख : 3-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1033—  
—अतः मुझे, टी० के० श्री निवासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और ज़मीन सं० कृषिभूमि है, तथा जो ग्राम डिधी तह० बुरहानपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 4-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री दत्त।

(2) श्री मुरलीधर दोनो पुत्र श्री जीवराम पाटिल  
निवासी बाधोदा बुजुर्ग तह० रावेर।

(अन्तरक)

2. श्री वामन पुत्र श्री यशवंत विन्धे श्री संतोष पुत्र श्री  
यशवंत विन्धे निवासी कोचुरबुजुर्ग तह० रावेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 16.97 एकड़ खसरानं० 40 (नया) खसरानं० 35(पुराना) ग्राम डिधी तह० बुरहानपुर जिला ईस्ट  
निमाण।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/  
1034—अतः मुझे, टी० के० श्रीनिवासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इपके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और ज़मीन सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-10-  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ए की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्रीमती कैशर बाई रामसिंह जी धूरा निवासी, 29,  
सुभाष मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसी बाई शान्ती लाल सराफ राजगढ़ तह०  
सरदारपुर जिलाधार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 29, सुभाष मार्ग, इन्दौर (भाग आउन्ड फ्लोर  
व फस्ट फ्लोर साथ भूमि बिल्डिंग में)

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1035—अतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० मकान है तथा इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-10-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्रीमती केशरबाई रामसिंह जी धूरा निवासी म० न० 29, सुभाष मार्ग, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुभद्रा बाई मनोहर लाल जी जैन, निवासी राजगढ़ तह० सरदारपुर जिला धार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल मकान नं० 29, सुभाष मार्ग, इन्दौर (भाग सकन्द फ्लोर व थर्ड फ्लोर साथ टैरेस व टैरेस पर कमरा लेकिन भूमि नहीं)।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-79/1036

—अतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-1977

को पूर्वांश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांश सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
निम्न में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आम्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्त-  
र्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—126GI/78

1. श्री विठल वामन कोले सेठ ऐपार्टमेंट कैलाश पार्क  
कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री बाई पत्नी श्री हीरा लाल सा, ओझर  
टाउनशिप, तह० व जिला नासिक, महाराष्ट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 112, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/78-89/  
 1037—अतः, मुझे टी० के० श्रीनिवासन  
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
 जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और  
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-10-1977  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरेन्द्र सिंह राजेन्द्र सिंह, नामली निवासी 1/1  
 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री राम नारायण जी  
 गुप्ता, निवासी 54, मल्हारगंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
 दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/1 साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्/भोपाल/78-79/1038

—अतः मुझे टी० के० श्रीनिवासन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. महा लक्ष्मी गृह निर्माण सहकारी समिति इन्दौर द्वारा प्रेमिडेंट श्री सीरूमल चौरडिया पुत्र श्री केशरीमल चौरडिया 48, महावीर नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

2 श्री रमण चन्द्र पुत्र श्री मिश्री लाल जैन, निवासी निहालपुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 44, महावीर नगर, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

[सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफवी/भोपाल/78-79/1039—  
—अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे आबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अंकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री दिनकर माधव कुतुम्बले, निवासी 12, खार्तापुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) रामरतन दातार सिंह, (2) श्रीभगवान सिंह श्रीकिशन, (3) श्री अयोध्या बाई बेवा पत्नी श्री किशन निवासी 10/3, स्नेहलतागंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 10, गली नं० 3, स्नेहलतागंज, इन्दौर  
सम्मिलित क्षेत्रफल 80' × 28'.2" (पूर्वभाग)।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल/78-79/1040

—अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में तय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या हिया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बाल कृष्णा पुत्र श्री कैशवराव जी दिघे, निवासी  
इन्द्रपुरी कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्र बाई बेवा पत्नी श्री उमाजीराव माहुरकर,  
निवासी उज्जैन।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6:135 (भाग) नया नं० 13, स्थित शहीद  
पार्क, उज्जैन।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1041—

—अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है तथा जो बड़वानी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कालूराम पुत्र श्री हीरा लाल, (2) श्रीमती पारवती आई पत्नी श्री कालूराम, निवासी बड़वानी।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक भाई रमेश पुत्र श्री धीसाराम भाटिया निवासी रंजीत चौक, बड़वानी।

(अन्तरिती)

को यः सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित रंजीत चौक, बस्ती बड़वानी।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफवी/भोपाल/77-78/1042  
—अतः, मुझे, टी० के० श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

श्री जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आबिल एस० भरफातिया 9/7, पारसी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण दास लालचन्द्र जयराम पुर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाञ्चन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जहाँ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 81, एम० टी० क्लाय मार्केट, इन्दौर।

टी० के० श्रीनिवासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/78-79/1043  
—प्रतः, मुझे, टी० के श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
राष्ट्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-  
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, ठिपान में सुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. (1) श्रीमती प्रयोध्या बाई बेवा पत्नी श्री भगवान  
दास जी, (2) श्री अनन्त भाई पुत्र श्री भगवान दास की  
जादव, (3) श्रीमती सरलाबेन पत्नी श्री अनन्तभाई जादव,  
(4) श्री अरुण कुमार, (5) डा० सुनील कुमार पुत्र श्री  
अनन्तभाई निवासी गुंडी बाखल, मालीपुरा, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री शरदचन्द्र पुत्र श्री छोटा मल जी मूभाजन) निवासी  
सेठ रामचन्द्र की गली, छोटा सराफा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/868, नया नं० 8, गली नं० 7, लक्ष्मीबाई  
मार्ग, वार्ड नं० 21, गुंडी बाखल, मालीपुरा, उज्जैन।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-6-1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल/78-79/

1044;—अतः, मुझे, टी० के श्रीनिवासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला भूमि मकान है तथा जो छिन्दवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छिन्दवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-10-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिप्ताने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित कार्रवायों, अर्थात्:—  
9—126 GA/78

1. श्री नरबंदा प्रसाद पुत्र श्री नारायण दास अग्रवाल ठेकेदार, निवासी छिन्दवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मल्लीबाई ब्रवा पत्नी श्री नारायण दास अग्रवाल ठेकेदार, निवासी धाडा डोंगरी नं० 2 जिला बैतुल।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वन्नाधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बंगला साथ मकान और खुली भूमि स्थित सिविल लाइन, नागपुर रोड, बार्ड नं० 10, छिन्दवाड़ा (मकान नं० 45)।

टी० के० श्रीनिवासन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-6-1978

मोहर:

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज कानपुर  
कानपुर, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० 13649/अर्जुन/मेरठ/7778—अतः मुझे, आर० पी० भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हे 'भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० उदयवीर सिंह (पुत्र खडक सिंह स्वयं पिछे मुक्तयारसिंह पुत्र मास्टर शेखर नि० चार० क्वार्टर नं० 7 वाई० बी० आर० एल० इज्जतनगर बरेली।

(अन्तरक)

2. श्री परमानन्द गुप्ता पुत्र खूब चन्द गुप्ता 88/2, कैलाशपुरी, गढ़ रोड, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुमजिला मकान नं० 197 स्थित वेस्टर्न कचहरी रोड नन्दन गाउँ मेरठ 1,20,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम अधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 30-5-78  
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मई 1978

निर्देश नं० अर्जन/825/कानपुर/77-78/1049--1

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 18-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में;  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती रिशी राज जैन, 113/45, स्वरूप नगर,  
कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन दास निवास, 113/45 स्वरूप नगर, कानपुर  
व लाल चंद व अर्जुन दास 111/93 अशोक नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 113/45 स्वरूप नगर कानपुर 2,35,000 में  
बेचा गया।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1503 (664)/10-1/77-78—अतः, मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म्यूनिसीपल प्लॉट नं० 113, सब प्लॉट नं० 113-1 है। तथा जो सुमीयर क्लब रोड, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किमी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी प्राय या किमी धन या अन्य मामितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ईश्वरलाल जयतीलाल पारेख 10, दिगविजय प्लॉट, जामनगर।

(अन्तरिक)

2. (1) सुशीलाबेन देवचंद जालानी शेरी, पीपला स्ट्रीट, जाम नगर।

(ii) श्रीमती चमपाबेन जमनादास जालानी शेरी, पीपला स्ट्रीट जामनगर।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2800 वर्ग फुट तथा 260-12 वर्ग मीटर है तथा जिसका म्यूनिसीपल प्लॉट नं० 113 तथा सब प्लॉट नं० 113/1, एंड तथा जो सुमेरिया क्लब रोड पर, जामनगर में स्थित है; तथा जिसका पूर्ण वर्णन 29-10-77 वाले बिक्री दस्तावेज न 1528 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 2-6-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1496(665)/16-6/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 417, है तथा जो टैगोर रोड के नाना के पर, कल्याण सोसायटी, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आम्निथो को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

या भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पटेल पोपट भाई राधवभाई परसना, स्वयं तथा निम्नलिखित अवयस्क के अभिभावक के हैसियत से:—

(i) अवयस्क अनील पोपटलाल

(ii) अवयस्क किशोर पोपटलाल

(iii) अवयस्क अशोक पोपटलाल, विद्या नगर, मेन रोड, भाई मंदिर के सामने राजकोट।

(2) श्री चंदूलाल पोपट लाल, राजकोट।

2. श्रीमती मुक्तिश्रीरी भगवानजीभाई वयार, ऐपी कलावाल रोड, महीला कालेज के पीछे राजकोट।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 523-20 वर्ग मीटर है तथा जिसका सर्वे नं० 417 है तथा जो टैगोर नगर नाके पर, कल्याण सोसायटी के पास, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 15-10-77 वाले वित्री दस्तावेज नं० 2564 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 2-6-78

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1978

ए० सी० क्यू०-23-I-1499(667)-16-6/

77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 8बी, सर्वे नं० 374 है। तथा जो जयंत सोसायटी, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, का धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित न्यायियों अधीन :—

1. श्री जगमोहन गिधिरलाल बखारिया (एच० यू० एफ०) जयंत सोसायटी राजकोट।

(अन्तरक)

2. धीरजलाल बस्ताभाई नौदानबादरा जयंत सोसायटी, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 560 वर्ग गज भूमि पर स्थित है जिसका सर्वे नं० 374, प्लॉट नं० 8-बी, है तथा जो जयंत सोसायटी, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण 27-10-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 2733 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 5-6-1978  
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूणे-5

पूणे-5, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/निफाड/अर्जंतु/77/355—यतः  
मुझे, श्रीमती पी० ललवानी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० गट क्र० 3762 है तथा जो चांदोरी, तामिक  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
निफाड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 17-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये खप पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्री लक्ष्मणराव विनायकराव हिंगणे, पो० चांदोरी,  
ता० निफाड; जि० तामिक।

(अन्तरक)

2. (1) भिवाजी रामचंद्र कोरडे

(2) तुकाराम भिवाजी कोरडे पो० चांदोरी, ता०  
निफाड, जि० तामिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोश्रुताधरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीका जमीन :—गट क्र० 3762, चांदोरी ता० निफाड,  
जि० तामिक।

क्षेत्रफल : 2 हेक्टर, 98 आर०, (जैसे की रजिस्ट्रीकृत  
विलेख क्र० 1172 दिनांक 17-10-77 को सब-रजिस्ट्रार  
निफाड के दफतर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना-5

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भावकर भवन, गणेश रिक्ड रोड, पूर्ण-5

पूना, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/अक्तू० 77/356—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललबानी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० क्र० 6707 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-10-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूझमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बूझमान प्रतिफल से, ऐसे बूझमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखन में वास्तविक रूप में लिये नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री दिनकर वामन वर्टी  
(2) श्रीमती मालती दिनकर वर्टी 'वामन निवास', वर्टी कालौनी, नासिक।

(भन्तरक)

2. श्री दिलीप मुरलीधर रहाणे सोमवार पेठ, नासिक।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान—सी० एम० क्र० 6707, नासिक, (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1143, दिनांक 14-10-77 को सब रजिस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललबानी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-5-78

मोहर:



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 10 मई 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/जनवरी 78/हवेली-II/357—

यत मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० फायनल प्लॉट नं० 262/ग संगमावाडी है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—126GI/78

1. (1) जी० एन० बीरवानी

(2) रमेश एन० बीरवानी, कार्मस हाउस, मेडोज स्ट्रीट बम्बई।

(अन्तरक)

2. फाईव्ह स्टार को ऑपरेटिव होमिंग सोसायटी लि० बंडगार्डन रोड, पूना-91।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन और ऊपर का मकान जो सी० टी० ए० सं० नं० 23, फायनल प्लॉट नं० 262/ग संगमावाडी, पूना में स्थित है जिनका क्षेत्रफल : जमीन 8081.336 वर्ग मीटर्स। इमारत 2520 वर्ग मीटर्स

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 68 दिनांक 12-1-78 को सब रजिस्ट्रार हवेली-II के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 10-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-5

पूना-5, दिनांक 25 मई 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/एरंडोल I/दिसम्बर 77/358—

यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गट क्र० 46/1 है तथा जो मौजे ताकरखेडे, जाव गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरंडोल-I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगन्नाथ विठ्ठल पाटील, काधोली, तालुका एरंडोल जिला जलगांव ।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री नारायण कृष्णाजी जाधव  
(2) श्री भिममह कृष्णाजी जाधव  
(3) श्री जगन्नाथ कृष्णाजी जाधव  
(4) श्री पांडुरंग कृष्णाजी जाधव, फूपनगरी ता० एरंडोल जि० जलगांव ।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

खेतीका जमीन :—गट क्र० 46/1, मौजे ताकरखेडे शिवर ता० एरंडोल जि० जलगांव ।

क्षेत्रफल-35 एकड़ 37 गुंठे

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1342 दिनांक 1-12-77 को सब रजिस्ट्रार एरंडोल-I जिला जलगांव के दफ्तर में लिखा है) ।

श्रीमती पी० ललवानी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-5-78  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० -/आर०-II /कल/78-79-- अतः

मुझे, आर० वी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 102-एफ है तथा जो निउ आलीपुर, डवैलपमैन्ट  
स्कीम XV ब्लाक एफ (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी०  
रजिस्ट्रार-24, परगणास, आलीपुर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तर्गतिदो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारितः--

1. श्रीमती भवानी देवी

(अन्तरक)

2. श्री दुर्गा शंकर बोस

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अक्षरितो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

न्यू आलीपुर ब्लाक 'एफ' प्लॉट नं० 102 एफ, डवैलपमैन्ट  
स्कीम नं० 'पट्टा' 2 57 कट्टा जमीन का पर 3 तला मकान  
है।

आर० वी० लालमोया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 2-6-78  
मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th May 1978

No. A.12026/1/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad-hoc* basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for a period of three months from 3.5.1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.,  
for Secy.

New Delhi-11001, the 16th May 1978

No. A.12019/2/78-Admn.II.—In continuation of the U.P.S.C. Notification of even number dated 18th March, 1978, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran, permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad-hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 1.5.1978 to 31.7.1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Dy. Secy.,  
for Secy.

New Delhi-110011, the 24th May 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 10.4.78, the President is pleased to appoint Shri K. L. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 31.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 27.3.78, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 1.6.78 to 31.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 31.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 15.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(6).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, of permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 8.7.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(7).—In continuation of this office notification of even number dated 24.4.78, the President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1.6.78 to 7.7.78 or until further orders whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(8).—The President is pleased to appoint Shri S. R. Khanna, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 8.5.78 to 30.6.78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(9).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Dhillon, a permanent Assistant of Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 31 days from 10.5.78 to 9.6.78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,  
Dy. Secy.,  
Incharge of Administration,  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
STAFF SELECTION COMMISSION

New Delhi-22, the 30th May 1978

No. 10/112/75-Ad.—Shri K. Gundanna, Statistical Investigator ASO, AG's Branch, Office of the Chief Administrative Officer, Ministry of Defence and presently officiating as Superintendent (Holl) in the Staff Selection Commission, New Delhi, is hereby appointed substantively as Superintendent (Hollerith) in this Commission with effect from the forenoon of 6th May, 1978.

S. HAMID,  
Chairman  
Staff Selection Commission.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110001, the 1st March 1978

No. O.II-270/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service Shri D. P. Sharma relinquished charge of the post of Commandant 6th Bn., CRPF on the afternoon of 30-11-77.

The 2nd June, 1978

No. O.II-894/74-Estt.—The service of Shri S. P. Kathpalia, Section Officer/Adm. Officer in the Directorate General, CRPF are replaced at the disposal of the Ministry of Health and Family Welfare w.e.f. the forenoon of 20-5-78.

The 3rd June 1978

No. O.II-1083/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. V. Srinivasa Rao as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-3-1978 until further orders.

No. O.II-1086/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. S. Rajan as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr.) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the afternoon of 4-5-1978 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 16th May 1978

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On transfer from Bhilai, Shri B. R. Luthra, IPS (MP-60), assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General (Recit. & Training) in CISO HQrs, New Delhi with effect from the afternoon of 6th May 1978.

The 29th May 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Patna Shri S. P. Dwivedi relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISO Unit, TIF Naini with effect from the afternoon of 28th April 1978.

On transfer from Patna Shri S. K. Rishi assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISO Unit, TIF Naini with effect from the afternoon of 28th April 1978.

The 31st May 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Mathura Shri Bhupinder Singh Rana relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISO Unit, RSP Rourkela with effect from the afternoon of 3rd May 1978.

No. F-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to New Jalpaiguri, Shri K. P. Nayek, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISO Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta with effect from the afternoon of 27th April 1978.

No. E.38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Naini Shri S. K. Rishi relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Group HQrs Patna with effect from the afternoon of 25th April 1978.

R. C. GOPAL, Inspector-General/CISF

# MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

Nasik Road, the 31st May 1978

No. 485/A.—In continuation of Notification No. 240/A dated 30.4.1978, the *ad hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Dy. Control Officers, India Security Press, Nasik Road are extended for a further period upto 30-6-1978 on the same terms & conditions or till posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA,  
General Manager

(DEPARTMENT OF ECON. AFFAIRS)

Dewas, the 1st June 1978

F. No. BNP/24/76.—Pursuant to the upgradation of the post of Junior Administrative Officer in the grade of Rs. 650—1200 to that of Administrative Officer in the grade of Rs. 840—1200, Shri C. C. Unnikrishnan, a permanent Section Officer of the Central Secretariate Service Cadre of Ministry of Finance, who is presently holding the post of Junior Administrative Officer on deputation basis, is hereby appointed on deputation basis, to the upgraded post of Administrative Officer in the Bank Note Press, Dewas with effect from 1.6.1978 until further orders.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Jagannath Gupta, a permanent Junior Supervisor (Ink Factory-Production) is appointed as Technical Officer (Ink Factory-Production) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) w.e.f. 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Arun Kumar Ingle, a permanent Junior Supervisor (Ink Factory-Production) is appointed as Technical Officer (Ink Factory-Research and Lab) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978 for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Y. Janardhan Rao, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri N. R. Jayaraman a permanent Junior Supervisor (Studio & Camera) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of three months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Rampal Singh, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri Samarendra Dass, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (MP) on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri M. Dutta a permanent Junior Supervisor (Engraving) is appointed as Technical Officer (Designing & Engraving) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/78.—Shri M. Ponnuthurai, a permanent Junior Supervisor (Electroforming) is appointed as Technical Officer (Printing and Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on an *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1st June 1978, for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis; the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SHIVARAM,  
General Manager

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, HARYANA

Chandigarh, the 12th May 1978

No. A/235—The Deputy Accountant General (Admn.), O/o the Accountant General, Haryana, Chandigarh in exercise of powers vested in him by Rule 19(ii) read with Rule 12 of C.C.S. (CCA) Rule, 1965 imposed the penalty on Shri Swami Saran Satsangi officiating Selection Grade Auditor under Rule 11(ix) of Rules *ibid* for his dismissal from service w.e.f. 7.1.73 vide office order No. A/162 dated 14.3.1978 issued vide No. Admn. 1/DAG(A)/SP/Conf/31(1)/5297 dated 14.3.1978 which shall ordinarily be a disqualification for further employment under the Govt.

M. S. GROVER,  
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 29th May 1978

No. Admn.1/11-144(XIV)/44.—The Accountant General, U.P.I., Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each.

1. Jugdish Narain Khanna—12.5.78 F.N.
2. Shri Ram II—18.5.78.

V. RAMACHANDRA RAO,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS AND  
TELEGRAPHS

New Delhi-110054, the 3rd June 1978

O.O. No. Admn. V-76/23(A)(2) Notifications.—The Chief Auditor Posts and Telegraphs has been pleased to appoint Shri W. C. Sachdeva, Section Officer of the P&T Audit Organisation to the Accounts Officer's (now Audit Officer's) grade (840—40—1000—EB—40—1200) in an officiating capacity, while holding the post of Assistant Finance Officer in Jawahar Lal Nehru University in the scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 24.11.1975 under the second proviso to F.R. 30(1). His promotion is on *ad hoc* basis and is subject to revision.

O.O.No. Admn.V-73/23(A)(2)Notification.—The Chief Auditor, Posts and Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiating Audit Officers and to post them in the Posts and Telegraphs Branch Audit Offices indicated against each until further orders. Their promotions are on *ad hoc* basis and are subject to revision.

Sl. No.	Name	P&T Branch Audit Office to which belongs as Section Officer	P&T Branch Audit Office to which posted	Date of promotion as Audit Officer
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	S. Sundararajan	Nagpur	Jaipur	9-2-1978 (A.N.)
2.	G. Ramachandra Rao	Hyderabad	Bhopal	17-2-1978 (F.N.)
3.	M. Ganapathy	Madras	Nagpur	23-2-1978 (F.N.)
4.	E. Purusho thaman	Trivandrum	Nagpur	6-3-1978 (F.N.)
5.	Sukhbir Singh	Kapurthala	Jaipur	24-4-1978 (F.N.)

S. KRISHNAN,  
Sr. Deputy Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL ORDINANCE FACTORIES  
INDIAN ORDINANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta, the 26th May 1978

No. 20/G/78.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Manager/Sr. DADGO with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri S. K. Bhatia, Pt. D. M. 22nd June, 1976
- (2) Shri D. N. Sarkar Pt. DADG 22nd June, 1976

The 30th May 1978

No. 24/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri R. N. Sengupta, Permt. D.A.D.G.O.F. retired from service with effect from 30th April, 1978 (A/N).

The 31st May 1978

No. 25/78/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, the undermentioned officers retired from service with effect from the dates specified against each :

- |  |                          |
|--|--------------------------|
| (1) Shri M.A.D. Souza, Permt. Dy. G.M.                       | 31st August, 1977 (A.N.) |
| (2) Shri J.P. Shukla, Offg. A.M. (Subst & Permt. S.H.)       | 31st July, 1977 (A.N.)   |
| (3) Shri H.N. Mitra, offg. A.M. (Subst. & Permt. Foreman)    | 30th Sept. 1977 (A.N.)   |
| (4) Shri K.D. Chakraborty, offg. A.M. (Subst & Permt. F'man) | 31st Dec. 1977 (A.N.)    |

No. 26/78/G --On attaining the age of 58 years, the under-mentioned officers retired from service with effect from the dates mentioned against each:

- |   |                       |
|---|-----------------------|
| (1) Shri B. Parthasarathy, Permt. Manager               | 30th June 1977 (A.N.) |
| (2) Shri R.H. Maitra, Offg. A.M. (Subst & Permt. F'man) | 31st May, 1977 (A.N.) |

No. 27/78/G.—On expiry of the tenure of re-employment for two years from 1-9-1975 Shri M.S. Subramanyan, Ty. Manager retired from service with effect from 31st August, 1977 (A.N.)

V.K. MEHIA

Assistant Director General, Ordnance Factorries

## MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 12th May 1978

No. 12/490/65-Admn.(G).—On the expiry of earned leave for 22 days w.e.f. 16.2.78 to 9.3.78 granted to him by the Director, Small Industries Service Institute, Madras, the services of Shri C. Dorali, Deputy Director (Mech.) in the Small Industry Development Organisation are placed at the disposal of the Projects & Equipment Corporation Ltd; for appointment as Marketing Manager w.e.f. 10.3.78 (FN).

V. VENKATRAYULU, Dy. Director (Admn.)

## OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 30th May 1978

No. 10(1)/73/78/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB.II, dated the 19th December, 1974, namely :—

I. (1) In the Schedule appended to the said Notification, in the existing entry in Column 3 against S. No. 1, for the words and mark "one month's" the words and mark "two months" shall be substituted.

(2) In the existing entry in column 3 against S. No. 2, for the words and mark, "two months", the words and mark "three and half months" shall be substituted.

(3) In the existing entry in column 3 against S. No. 3, for the words and mark, "one and half months", the words and mark "three months", shall be substituted.

II. In the second proviso below the schedule, for the words, "three months" the words "four and half months" shall be substituted.

III. These revised stock limits will take effect from 1st June, 1978

G. S. BHARGAVA,  
Joint Textile Commissioner

## DTE. GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

(Admn. Sec. A-6)

New Delhi, the 23rd May 1978

No. A-6/247(347)/62.—The President has been pleased to appoint Shri M. Sankaralingam an officer of the Engineering Branch of Grade II of the Indian Inspection Service Group 'A' to officiate in Grade I of the Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 26th April, 1978 and until further orders.

2. Shri M. Sankaralingam relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Engg.) in the Headquarters office of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 17th April, 1978 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Calcutta Inspection Circle Calcutta on the forenoon of 26th April, 1978.

No. A-6/247(495)/64/III.—The President has been pleased to appoint Shri K. M. Taneja as officer of the Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate in Grade I of the Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 22nd April, 1978 and until further orders.

2. Shri K. M. Taneja relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Metallurgical) in the Headquarters office of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 15th April, 1978 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Directorate of Inspection (Met.) Burnpur on the forenoon of 22nd April, 1978.

SURYA PRAKASH,  
Dy. Director (Admn.)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 31st May 1978

No. 3988/B/40/59/C/19A.—Shri B. K. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rule in the scale pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 3.4.78 until further orders vice Shri A. R. Biswas, Assistant Administrative Officer, Central Region, Geological Survey of India.

V. S. KRISHNASWAMY,  
Director General

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 31st May 1978

No. A.19011(234)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. N. Makode Assistant Research Officer (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd May 1978 until further orders.

H. K. TANEJA,  
Administrative Officer,  
for Controller.

## SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 30th May 1978

No. E1-5371/579-Sel.74(Cl. II).—In continuation of this office Notification No. E1-5213/579-Sel. 74 (Cl. II) dated 4th May, 1977 the *ad-hoc* appointment of Shri J. M. Sharma, Officer Surveyor in Group 'B' service is further extended for a further period of one year w.e.f. 30.3.78 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA,  
Major-General,  
Surveyor General of India.

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 1st June 1978

No. 11-17/75-A1.—Shri W. N. Jhingan, Asstt. Archivist Gr. I(OR) is appointed to officiate as Archivist (OR) (Cl. II Gazetted) on purely *ad-hoc* basis with effect from 20th May, 1978 (F.N.) and until further orders [vice Dr. Sarwat Ali, Archivist (OR) on leave]. This *ad-hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher post.

S. M. PRASAD,  
Director of Archives,

## DEPARTMENT OF SCIENCE &amp; TECHNOLOGY

## NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-700019, the 26th May 1978

No. 29-16/77-Estt.—Shri M. P. Kala, permanent Senior Research Assistant is appointed as Junior Technical Officer in the National Atlas Organisation on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 10th May, 1978, until further order.

The 2nd June 1978

No. 35-2/75-Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. K. Chandra, Permanent Senior Research Assistant is promoted to officiate in the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation with effect from 5.5.1975 (F.N.), until further orders.

2. Shri P. K. Adhikary, Field Officer is appointed to the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation on purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from 5.5.1978 (F.N.), until further orders.

S. P. DAS GUPTA,  
Director.

## DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi the 27th May 1978

No. A.19012/7/78-SII.—Directorate General: Doordarshan is pleased to appoint Shri R. D. Sharma, previously working as A.O. at ATR, Jaipur, as Sr. A.O. at U.D.K. Cuttack in the scale of Rs. 650-1200 w.e.f. 20.12.77 F/N until further orders.

C. L. ARYA,  
Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 31st May 1978

No. A-19012/8/70-Exh(A)—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri A. C. Barketaky as Field Exhibition Officer in this Directorate in a purely temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 22.4.78 (Forenoon) until further orders.

S. K. MUKERJI,  
Dy. Director.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th May 1978

No. A.19019/1/78-CGHS.I.—On her transfer from C.G.H.S., Delhi, Hakim (Smt.) Syeda Fatima, Unani Physician relinquished charge of her post on the afternoon of 12.4.78.

Hakim (Smt.) Fatima assumed charge of her post in C.G.H.S., Hyderabad on the forenoon of 22.4.78.

N. S. DHAKAALIA,  
Deputy Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 2nd June 1978

No. F-4-6(119)/77-A.III.—The short terms appointment of Shri R. C. Singhal to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 8.6.78 vide this Directorate's Notification of even number dated 23.3.78, has been extended upto 8.9.78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19025/10/78-A.III.—The short terms appointment of Shri S. P. Saxena to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 16-5-78 vide this Directorate's Notification of even number dated 18-2-78, has been extended upto 16-8-78 or until regular arrangements are made whichever is earlier.

No. A.19025/23/78-A.III.—The short terms appointment of Shri H. N. Shukla to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 24-6-78 vide this Directorate's Notification of even number dated 18-2-78, has been extended upto 24-9-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A-19023/51/78-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri B. K. Sudame, Asstt. Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in the pay scale of Rs. 650-1200 at Guntur w.e.f. 22-4-1978 (FN) until further orders.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Sudame relinquished charge of the post of A.M.O. at Guntur in the forenoon of 22-4-1978.

No. A.19023/57/78-A.III.—Shri M. Chakraborty, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Faridabad with effect from 25-5-78 (F.N.) on purely short-term basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri M. Chakraborty relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Amritsar in the forenoon of 18-5-78.

No. A.19025/72/78-A.III.—Smt. Anasuya Sivarajan, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Bangalore, with effect from 1-5-1978 (F.N.), on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA,  
Director of Administration,  
for Agricultural Marketing Adviser.

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, the 3rd June 1978

No. 4-5/77-Adm.—The services of Shri M. C. Singh, Assistant Conservator of Forests, Govt. of Manipur working as Assistant Conservator of Forests in the Preinvestment Survey of Forest Resources in Bhutan an unit of this organisation are replaced at the disposal of the Govt. of Manipur w.e.f. 31-5-78 (A.N.).

C. L. BHATIA,  
Chief Coordinator.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 24th May 1978

No. 19(7)/71-Confirmation/1047.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri E. Ramakrishnan, a permanent Stenographer and officiating Private Secretary in Bhabha Atomic Research Centre, as Private Secretary in a provisionally substantive capacity against the vacancy caused by the suspension of lien on the post of

Private Secretary in BARC, held by Shri K. Rajan, presently holding the post of Private Secretary to the Governor representing India on the Board of Governors of IAEA, Vienna, with effect from 1-8-75.

Kum. H. B. VIJAYAKAR,  
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 1st June 1978

No. DPS/23/4/77/Est./144701.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. C. Varkey, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 15-5-78 to 17-6-78 vice Shri P. Balasubramanian, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77/Est./144696.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. V. Vaitak, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 1-5-78 to 9-6-78 vice Shri V. C. John, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/77/Estt./144706.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoint Shri M. Govindan, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 1-5-78 to 3-6-78 vice Shri J. G. Singh, Assistant Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI,  
Assistant Personnel Officer

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 22nd May 1978

Ref : MRPU : 200(15)/78-Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri V. Sripatha Rao an officiating Storkeeper in the Directorate of Purchase & Stores, Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam as officiating Assistant Stores Officer in the same unit with effect from the forenoon of April 17, 1978 to July 15, 1978.

S. RANGACHARY,  
Purchase Officer

NUCLFAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 25th May 1978

No. PAR/1603/846.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri M. Satyanarayana Sa, an officiating Foreman to officiate as SO/Engineer Gr. SB in Mechanical Engineering Services, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from May 17, 1978 FN, until further orders.

No. PAR/1603/847.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri S. Amerender Rao, an officiating Foreman to officiate as SO/Engineer Gr. SB in Mechanical Engineering Services, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from May 17, 1978 FN, until further orders.

U. VASUDEVA Rao,  
Administrative Officer

Amushakti-323303, the 5th June 1978

No. RAPP/Rectt./10(8)/78/S/125.—Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. K. Sharma, a quasi-permanent Post Graduate Teacher and officiating Selection Grade Post Graduate Teacher of this



Project to officiate as Vice-principal in a temporary capacity in the RAPP English Medium School with effect from the forenoon of 1-6-1978 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)  
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th May 1978

No. AMD.1/30/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. Sukumar, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th May 1978 until further orders.

The 3rd June 1978

No. AMD.1/11/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. K. Mathur, Officiating Scientific Assistant Grade 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

No. AMD.1/11/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. K. Bhattacharjee, Permanent Foreman (Electrical) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

No. AMD.1/11/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Dhaliwal, Permanent Technical Assistant Grade 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN,  
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st March 1978

No. 05045/78/1552.—Shri G. Padmanabhan, officiating Assistant Personnel Officer, Heavy Water Project (Tuticorin), is hereby appointed as a Selection Grade Clerk in a substantive capacity against a supernumerary post in Heavy Water Project (Tuticorin) w.e.f. April 1, 1977.

The 2nd June 1978

Ref: HWP/Estt./B-27/2631.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, has accepted the resignation tendered by Shri Digamber Vishwanath Bhokarkar, a temporary Scientific Officer/Engineer (Grade SB) of Heavy Water Project (Baroda), with effect from the afternoon of January 25, 1978. Shri Bhokarkar was relieved accordingly.

K. SANKARANARAYANAN,  
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 12th May 1978

No. TAPS/1/34(1)/77-R (Vol. II).—Consequent on their selection for promotion to the next higher grade, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned persons in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer SB in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same 11—126G/78

Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978

Sl. No. Name & Designation

1. Shri P. Balakrishnan, Scientific Asstt. 'C'
2. Shri D. M. Pandey, Scientific Asstt. 'C'
3. Shri M. S. Santhanam, Tradesman 'G'
4. Shri M. P. Thomas, Tradesman 'G'

A. D. DESAI,  
Chief Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th May 1978

No. F(1)03934.—On attaining the age of superannuation Shri P. L. Talwar, officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1978.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist (Establishment),  
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st April 1978

No. C.13015/1/77-EW.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Service (Temp. Service) Rules, 1965, a notice of termination of services was served on Shri P. M. Varghese, Fire Operator vide Director General of Civil Aviation, New Delhi's Memorandum No. C.13015/1/77-EW dated the 17-10-77. But the receipt of the aforesaid memorandum has not been received from the said Shri Varghese.

In pursuance of aforesaid rules, notice is hereby given to Shri P. M. Varghese, Fire Operator, Civil Aviation Department, resident of A-390, East Kidwai Nagar, New Delhi-28 that his services shall be terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notification is published in the official Gazette.

F. C. SUD,  
Director of Administration

New Delhi, the 17th May 1978

No. A.12025/1/78-EW.—On his attaining the age of superannuation, Shri V. V. Vaidya, Assistant Fire Officer, Civil Aviation Department, retired from Government service with effect from the afternoon of 31-3-1978.

The 31st May 1978

No. A.12025/1/77-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. Banerjee to the post of Assistant Fire Officer, in the Civil Aviation Department w.e.f. 15-3-78 (FN) until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Calcutta.

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd June 1978

No. A. 32014/3/78-E.I.—The Director General of Observatories hereby appoints the undermentioned professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating

capacity with effect from the dates indicated against their names and until further orders :

S. No.	Name	Date from which appointed as Assistant Meteorologist	Office of posting
1.	Shri S.K. Mukherji	5-5-1978	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
2.	Shri Ajit Singh	17-5-1978	Regional Meteorological Centre, New Delhi.
3.	Shri V. Alwar	18-4-1978	Regional Meteorological Centre, Madras.
4.	Shri J. J. Masillamani	10-5-1978	Regional Meteorological Centre, Madras.
5.	Shri G.S. Rentala	19-4-1978	Director, Agrimet, Pune.
6.	Shri S.H. Joglokar	19-4-1978	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.
7.	Shri K. K. Mandal	18-4-1978	Regional Meteorological Centre, New Delhi.
8.	Shri N.G. Sikdar	18-4-1978	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.
9.	Shri Sadananda Roy	18-4-1978	Headquarters Office of Director General of Observatories, New Delhi.
10.	Shri T.K. Roy	29-4-1978	Meteorological Centre, Bhubaneswar under Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.
11.	Shri P. L. Kathane	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Nagpur.
12.	Shri S.K. Das	19-4-1978	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.
13.	Shri M.B. Biswas	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
14.	Shri V.K. Gangadharan	1-5-1978	Regional Meteorological Centre, Bombay.
15.	Shri Krishna Alda	28-4-1978	Meteorological Centre, Visakhapatnam under Director, Regional Meteorological Centre, Madras.
16.	Shri T.D. Pradhan	18-4-1978 (A.N.)	Director, Agrimet, Pune.
17.	Shri S.J. Pakhare	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Bombay.
18.	Shri S.C. Das	19-4-1978	Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist,  
for Director General of Observatories

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd June 1978

No. 16/273/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Kundan Singh Bhandari, as Research Officer under the Vth Five Year Plan Scheme "Research and Pilot Demonstration on Increased Production of Oleoresin" at its Research Centre, Shillong under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 14th February, 1978 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR,  
Kul Sāchiv,  
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 30th May 1978

No. 17/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Fstt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 of Shri P. N. Banerjee, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Group 'B', Central Excise, MOR Etah in the FN of 23-1-78.

K. PRAKASH ANAND,  
Collector.

#### CENTRAL REVENUE CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 17th May 1978

##### CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 26/1978.—Shri M. M. Mirchandani, Chemical Assistant Gr. I, Custom House Laboratory, Kandla has been provisionally promoted to Officiate as Assistant Chemical Examiner in the New Central Excise Laboratory, Bombay with effect from 1-5-78 (F.N.) and until further orders.

D. R. GUPTA,  
Chief Chemist, Central Revenues,  
Appointing Authority.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 1st June 1978

No. A-19012/703/78-Adm.V—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri J. P. Vidwans, Senior Librarian, to the grade of Special Officer (Documentation) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st May, 1978, until further orders.

2. Shri Vidwans, will be on probation in the post of Special Officer (Documentation), Central Water and Power Research Station Pune, for a period of two years w.e.f. 1-5-1978.

J. K. SAHA,  
Under Secy.  
Central Water Commission.

#### DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st May 1978

No. 33/1/78-FCIX—The President is pleased to appoint Shri D. V. S. Sinha, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Dy. Architect (G.C.S. Group 'A') in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—FB—40—1100—50—1300 plus usual

allowances with effect from 12-5-78(FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Sinha is placed on probation for period of two years with effect from 12-5-78 F.N.

KRISHNA KANT,  
Dy. Director of Administration.

### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 30th May 1978

No. 6/5/78-Administration-II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints undermentioned Technical Assistants to grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against their names, until further orders :—

1. Sh. Sri Ram B. Parate,—10th February, 78 (Forenoon)
2. Sh. C. S. Kasana,—10th February, 78 (Forenoon)

S. BISWAS,  
Under Secy.

### CENTRAL RAILWAYS GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay, the 1st June 1978

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) is confirmed in that appointment with effect from the date shown against his name.

*Name & Date of confirmation in Class II Service.*

Shri S. K. Lahiri,—1-12-1977

Bombay V. T.,—P. R. Pusalkar, General Manager

F. C. BILANDARI,  
Chief Personnel Officer.

### NORTHEAST FRONTIER RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 2nd June 1978

No. E/283/30 Pt.VI(O).—Shri T. Ram, Asstt. Secy. to General Manager (Class II) is appointed to officiate in Sr. Scale as Senior Personnel Officer with effect from 1-1-78.

No. E/283/30 Pt.VI(O).—Shri N. K. Dutta, OS(Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Secretary to General Manager with effect from 1-1-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri S. A. Alam, ACS(Class II) is appointed to officiate in Sr. Scale as DCS with effect from 7-1-78.

No. E/283/82/Pt.XI(O).—Shri M. N. Das Gupta, CPLI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as ACS with effect from 13-1-78.

No. E/283/82 PVI(O).—Shri M. N. Chaturvedi, APO (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as DPO with effect from 19-1-78.

No. E/283/31/Pt.IX(O).—Shri A. K. Ghosh, Asstt. Research Engineer (Cl. II) is appointed to officiate in Senior Scale as DEN with effect from 26-1-78.

No. E/283/30 PVI(O).—Shri A. G. Banerjee, TI(Class III) is appointed to officiate in Class II service as APO with effect from 31-1-78.

No. E/283/30 PVI(O).—Shri M. L. Jand, APO(Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as SPO with effect from 1-2-78.

No. E/283/31 Pt.IX(O).—Shri M. C. Venugopal, IOW (Class II) is appointed to officiate in Class II as AEN with effect from 8-2-78.

No. E/283/III/128 PII(O).—Shri A. D. Sinha, Sr. Foreman (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as AEE with effect from 11-2-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri C. R. Roy, ACS(Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as SCO with effect from 3-3-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri V. Kumar, YM(Class III) is appointed to officiate in Class II service as ACS with effect from 5-3-78.

No. E/283/III/54 PVIII(O).—Shri H. N. Majumder, OS (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as PA to CME with effect from 7-3-78.

No. E/283/82 PXI(O).—Shri A. K. Shome, TI(Class III) is appointed to officiate in Class II service as ACS with effect from 10-3-78.

No. E/283/III/129 PII(O).—Shri S. R. Das Sarma, ACOS(Class II) is appointed to officiate in Senior Scale with effect from 11-3-78.

No. E/283/III/142 PIII(O).—Shri K. C. Barua, Inspector (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure with effect from 23-3-78.

M. R. N. MOORTHY,  
General Manager.

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s Sri K. Muthu and Company Private Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 3778/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri K. Muthu and Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sri Maruthambikal Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 3835/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Maruthambikal Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Amasam Aromatics (Private) Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 4150/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Amasam Aromatics (Private) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Easy Roadways Private Limited*

Madras-600 006, the 31st May 1978

No. 4378/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Easy Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN,  
Asst. Registrar of Companies,  
Tamilnadu.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
MAHARASHTRA

Bombay, the 1st June 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gateway Tours Private Limited*

No. 12899/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gateway Tours Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Bombay, the 1st June 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Aquarius Shipping Co. Pvt. Ltd.*

No. 17242/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Aquarius Shipping Co. Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. A. VIJAYNMENON,  
Asstt. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
WEST BENGAL

Calcutta, the 1978

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
M/s. Lockfast Chemicals Private Limited*

No. 38077/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Lockfast Chemicals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH,  
Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal.

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Shillong-793001, the June 1978.

In pursuance of provision Sub-section (1) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government being of opinion that it is expedient in public interest to do so, and in exercise of the powers conferred on me by the Central Government in this behalf, I hereby publish the names and other particulars hereinafter specified of persons assessed in this Charge who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more as on the last day of the financial year 1977-78.

Sl. No.	Name & address of the assessee	Amount in default
		Rs.
1.	M/s. Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam.	2,47,941
2.	Shri Durgadutt Sharma, C/o. M/s. Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam.	8,37,424
3.	Sheikh Mohammed Nawab, Jorhat, Assam.	1,50,626
4.	Late Israil Khan, Panchali, Dibrugarh, Assam.	2,49,559
5.	M/s. Mangal Chand Ramkumar & Co., Dibrugarh, Assam.	1,66,457
6.	Sardar Gurbachan Singh, C/o. Ramkrishna & Co., B-26, Kailash Colony, New Delhi-48.	1,43,202
7.	M/s. Tolaram Bijoy Kumar, H. U. F., Dhubri, Assam.	1,15,924

S. N. SEN,  
Commissioner of Income-tax  
North Eastern Region : Shillong

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd June 1978

Ref. No. Ac-9/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102F situated at New Alipore Development Scheme No. XV, Block-F (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Distl. Registrar 24-Parganas, Alipore on 6-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Bhabani Debi,  
No. 16, Hindusthan Park,  
Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Durga Sankar Basu,  
33, Janak Road,  
Calcutta-29.

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hindustan Co-operative Society Ltd., New Alipore Development Scheme No. XV, Block 'F', Plot No. 102F, Area 2.37-cottahs with three storeyed buildings.

R. V. LALMAWIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 2-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th June 1978

Ref. No. ASR/17/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 1026 Min situated at Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lal Chand s/o Shri Hari Chand,  
Tilak Raj, Raj Kumar Janak Raj  
s/o Shri Lal Chand,  
7-B, Green Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Jagan Nath,  
Shri Manohar Lal, Vijay Kumar, Vinod Kumar  
s/o Om Parkash  
r/o Kucha Tawarian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 405 sq. m. as mentioned in the regd. deed No. 2438 of October, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6th June 1978.

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th June 1978

Ref. No. ASR/18/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Court Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar City in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Teja Singh,  
R/o Patti Distt. Amritsar,  
(Transferor)
- (2) Shri Vishwa Nath s/o Shri Munshi Ram  
R/o Partap Bazar, Cheharta.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the regd. deed No. 2264 of October, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 6th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/131/Sept.I(14)/77-78.—Whereas, I, J. S. GILL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-363 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri S. Kartar Singh, S/o S. Saudagar Singh R/o Z-1/A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri S. S. Saxena, s/o Late Shri G. L. Saxena R/o 254, Dr. Annie Besant Road, Prabha Devi, Bombay-400025.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-Hold plot No. 363 Block 'E' measuring 250 sq. vds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi in the area of Village Bahapur, within the limit of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Plot No. E-361  
West : House No. E-365  
North : Service Lane  
South : Road.

J. S. GILL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 16-6-1978

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Charanjeet Lal Sharma s/o Shri Bhagat Ram  
R/o F-101 Ashok Vihar, Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Kanta Jain alias Smt. Surinder Kanta Jain  
w/o Shri Dev Raj Jain r/o 3/14 Roop Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 8th June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/1307/78-79.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20/82 situated at Shakti Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 19-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A three side open free-hold plot of land No. 82 in block 20 (20/82) area measuring 200 sq. yds. situated in Shakti Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane  
South : Service Lane  
East : House No. 20/81  
West : Main Road.

N. S. CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
12—126G1/78

Date : 8-6-1978

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, 5th June 1978

Ref. No. 4422/Sep./77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 86, Rajendra Prasad Road situated at Talabab, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 828/77) on 7-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri K. Natarajan  
(2) Shri K. Velusami  
S/o Shri Kuppamma Mudaliar,  
No. 87A, Dr. Rajendra Prasad Road Talabab,  
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri C. Chockalingam S/o Chinna Rama Mudaliar,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vaduga Palayam Avaniashi Taluk, Coimbatore.  
Land admeasuring 17 Cents and 435 sq. ft. (with building)  
situated at Door No. 86, Dr. Rajendra Prasad Road, Talabab  
Coimbatore.

(T. S. No. 747, T. P. Scheme No. 5).

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-6.

Date : 5-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, 5th June 1978

Ref. No. 5899/Sep./77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21-A Madley Road, situated at T. Nagar, Madras-17. (Land and Ground [loor), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Doc. No. 2488/77 JSR II, Madras North, on 3-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. D. Ramasubramaniam  
S/o late Dr. T. S. Doraisamy; and  
Smt. S. Jamuna W/o Shri T. D. Ramasubramaniam,  
No. 21 Madley Road, T. Nagar, Madras-17.
- (2) Mr. D. Kamaththeen S/o Mr. Dawood,

(Transferor)

Yembal village, Thirumayam Taluk, Pudukottai District.

Mr. K. A. S. Mohamed Ibrahim S/o Mr. K. A. Syed Mohamed,  
No. 15 Muslim Street,  
Aranthangi, Pudukottai District.

(Transferee)

- (2) (1) Aravindan Stores;
- (2) National Textiles Corporation; and
- (3) Chinthamani Super Market.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 516 sq. ft. and ground floor bearing Door No. 21-A Madley Road, T. Nagar, Madras-17. (T.S. No. 5675/2, Old S. No. 162/2).

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-6.

Date : 5-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) covered by Doc. No. 1466/77.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natarajan,  
No. 31, Thorapunj, St. Karaikal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, 5th June 1978

Ref No. 8011/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. covered by Doc. 1466/77 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at JSR Pondicherry (Doc. No. 1466/77) on 27-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building covered by Doc. No. 1466/77 (JSR Pondicherry).

K. PONNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II Madras-6.

Date : 5-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jiwa Singh son of Shri Gohala Resident of Village Oind Tehsil Roopnagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhag Singh son of Shri Jiwa Singh Resident of Village Oind Tehsil Roopnagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. RPN/34/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 23 bigha and 19 Biswas situated at Village Oind Tehsil Roop Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roopnagar, in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 23 bigha 19 biswas situated in village Oind Tehsil Roopnagar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2034 of October, 1977 of the Registering Officer, Roopnagar).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date . 2nd June 1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Anil Kumar S/o Shri Sukhdev Raj Resident of Kothi No. 63, Sector-19-A Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suraj Mal s/o Shri Johari Lal, R/o Lohā Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/31/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  $\frac{1}{2}$  share of shop measuring 14'×86' situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh, in February 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$  share in Shop measuring 14'×86' situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1409 of February, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd June 1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Santosh Rani w/o Shri Sukhdev Rai  
R/o Kothi No. 63, Sector-A9 Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA(2) Shri Sat Narain son of Shri Johri Lal, R/o Loha  
Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AML/30/77-78.—Whereas, J. NATHU RAM,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1 share in shop measuring 14'×86' situated at Loha  
Bazar, Mandi Gobindgarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Amloh, in February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the 'Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1 share in Shop measuring 14'×86' situated in Loha Bazar,  
Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1408  
of February 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2nd June 1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mann Singh s/o Shri Poholo Singh, R/o  
Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Bharat Iron & Steel Rolling Mills,  
R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/17/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 Share of land measuring 2 bigha 6 biswa situated at Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in December, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (77 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share of land measuring 2 bigha 6 Biswa situated in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1133 of December, 1977 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd June 1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/20/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 Share of land measuring 2 Bigha 6 Biswa situated at Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer at Amloh in December, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—126GI/78

(1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Poholo Singh,  
R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) M/s. Bharat Iron & Steel Rolling Mills,  
Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 Share of land measuring 2 Bigha 6 Biswa situated in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1168 of December, 1977 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978

Seal :

FORM TNS—

(1) M/s. Guru Arjan Iron & Steel Rolling Mills,  
Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)2) M/s. Bharat Iron & Steel Rolling Mills.  
Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. AML/21/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 8 Biswas situated at Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amlah, in December, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Biswas situated in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 116 of December, 1977 of the Registering Officer, Amlah).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Ram Singh S/o Shri Poholo Singh,  
R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Bharat Iron & Steel Rolling Mills,  
R/o Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

Ref. No. AML/16/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing  
No. 1/3 share of 2 Bigha 6 Biswa, situated at Guru-Ki-Nagari  
Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Amloh in December, 1977,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

1/3rd share of land measuring 2 Bigha 6 Biswa situated  
in Guru-Ki-Nagari, Bharat Nagar, Mandi Gobindgarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1111  
of December, 1977 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2nd June 1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. LDH/203/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. measuring 634-2/3 sq. yds. bearing municipal No. B-XIX/189/3 situated at on Major Gurdial Singh Road Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suresh Pal Mittal, S/o Shri Bal Kishan Dass, R/o B-XIX/189/3 Maj. Gurdial Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Puran Chand S/o Shri Khazanchi Lal, BVIII/353 Moch Pura Ludhiana, At present BXIX/189/3 Maj. Gurdial Singh Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 634-2/3 sq. yds. bearing municipal No. B-XIX/189/3 situated at Major Gurdial Singh Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2072 of October, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978

Seal :

## FORM TINS

(1) Smt. Prem Kaur Wd/o S. Partap Singh,  
R/o Kothi No. 355-R Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Santosh Wati w/o Shri Om Parkash Gupta,  
R/o Kothi No. 110-R Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. LDII/213/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU  
RAM,

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearing  
No. 420, situated at Parnasree Pally, P. S. Behala  
Kothi No. 110-R, Model Town measuring 405.87 sq. yds.  
situated at Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer  
at Ludhiana, in October, 1977,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice in the  
Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 110-R measuring 405.87 sq. yds. situated in  
Model Town, Ludhiana.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2278  
of October, 1977 of the Registering Authority, Ludhiana)

NATHU RAM,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 2nd June 1978  
Seal .

## FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 2nd June 1978

Ref. No. LDH/333/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU RAM, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-15-A A plot measuring 450 sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in October 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kundan Singh s/o Shri Bukan Singh,  
Shri Bhadur Singh S/o Shri Kundan Singh,  
R/o Sankar Tehsil Nakodar,

(Transferor)

- (2) Shri Gurnam Singh Pannu s/o Shri Bahadur Singh,  
R/o 38-F Sarabha Nagar, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot bearing No. 15-15-A measuring 450 sq. yds. situated in Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2100 of October, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd June 1978

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Balbir Singh S/o Hari Singh Attorney of S. Harbhajan Singh S/o Waryam Singh of Tripri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (1) Shri Lal Inder Singh  
(2) Shri Balinder Singh,  
(3) Shri Harjinder Singh } S/o Sukhinder Singh  
Model Town, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 5th June 1978

Ref. No. PTA/57/77-78.—Whereas, I, SHRI NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 4058 sq. yards situated at Tripri (Patiala), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4058 sq. yards situated in village Tripri Tehsil and District Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3553 of October, 1977 of Registering Officer, Patiala.

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2nd June 1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 5th June 1978

Ref. No. IDH/204/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. A shop measuring 48 sq. yards, situated at Shop No. B/7/1150 Opposite Clock Tower, G. T. Rd., Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritam Singh S/o Naranjan Singh,  
R/o Mohalla Miller Ganj, Kucha Nanak Puri, Gali  
No. 6B/16/304, Ludhiana.

(Transferor)

(2) (1) Shri Teja Singh S/o Bhagat Singh and  
(2) Smt. Parkash Kaur w/o Shri Teja Singh,  
C/o M/s Bombay Watch Co.,  
Opposite Clock Tower, G. T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop measuring 49 sq. yards No. B/7/1150, Opposite Clock Tower, G. T. Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2083 October, 1977 of Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 5 June 1978

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31d June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1014.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No House situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Indore on 28-10-77,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value  
of the aforesaid property and I have reason to believe that  
the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely:—

14—126GI/78

- (1) (i) Shri Sagarmal Champalalji;  
(ii) Shri Nirmalkumar Sagarmal;  
(iii) Shri Mahendrakumar Sagarmalji, r/o  
H. No. 7, Gas House Road, Indore.

(Transferees)

- (2) Shri Anandilal Mangilal, C/o M/s Anand Umbrella  
Stores, Shop No. 92, Nagar Nigam Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereinafter as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 4, Gas House Road, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1015.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. \_\_\_\_\_  
No. House situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Indore on 1-10-1977,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of  
the aforesaid property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Kantabai w/o Shri Chandmal, R/o E-21,  
Gorakhpur Road, Jaipur, Jaipur (Rajasthan).

(Transferor)

- (2) 1. Shri Govindram S/o Shri Salamat R/o 63, Saket  
Nagar, Indore. 2. Shri Sunder S/o Shri Govindram,  
R/o 63, Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 63, Saket Nagar, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31d June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1016.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhimjibhai Waghela s/o Shri Popatlal Waghela, r/o 12, Namli Kothi, Indore.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Tayabi Ali;  
(ii) Shri Shabbir Bhai;  
(iii) Shri Khuzema Bhai;  
(iv) Shri Johar Bhai,  
all sons of Hazi Fakruddin, R/o H. No. 15, Bohia Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 2, Street No. 1, Kachi Mohalla, Indore.

T. K. SRINIVASAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Dated : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Bhanwarlal s/o Shri Baldeoji Dagdi, r/o-50,  
Radha Nagar, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Smt. Kiran Ginwani, w/o Shri Shyamsunder Gin-  
wani, r/o 20-B, Prem Nagar Colony, Indore.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1017.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. House situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on 15-10-77,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

House No. 20-B Prem Nagar, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

Dated : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sayad Ahamad s/o Shri Hakim Ahamad Rehman, r/o 78, Ranipura, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Panpran Lal Harbux Sharma, r/o 6/7, Chhoti-gwal Toli, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1018.—Whereas, I,  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Open Plot situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on 20-10-77,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Plot No. 39, Jaora Compound, Main Road, Indore.

T. K. SRINIVASAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shivshakti Grah Nirman Sahkari Samiti Mar-yadit, 75, Khajuri Bazar, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendrasingh Pratapsingh Modi r/o 6/7, Mahesh Nagar, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1019.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 20-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 5, at 25, Yeshwant Niwas Road, Indore.

T. K. SRINIVASAN.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bakhtsingh Uttamsinghji, r/o H. No. 302, Vishnupuri, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurubaba Kripaldas Udasi Chela Gurubaba Santdasji, r/o 144, Bairathi Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1020.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot situated at Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 29-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open Plot No. 20-A, at Prem Nagar Colony, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1021.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
2. Smt. Mrinalni Raje, w/o Shrimant Malhar Rao Holkar,  
3. Shri Jaddipendrasingh;  
4. Shrimant Anshumanrao,  
5. Shrimant Gautamrao;  
all r/o Ramniwas Kothi, Pipliyapala Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Dhanraj s/o Chagganlal Jain, r/o 36/2, Rajwada, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front Part of H. No. 34, Rajwada, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1022.—Whereas, I,  
T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Indore on 25-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
2. Smt. Mrinalini, Raje, w/o Shrimant Malhar Rao Holkar;  
3. Shri Jagdipendrasingh;  
4. Shrimant Anshumanrao;  
5. Shrimant Gautamrao;  
(all 1/o Ramniwas Kothi), Pipliyapala, Indore.  
(Transferor)

- (2) Smt. Amrithabai W/o Jivraj, 1/o Muchhal Bhawan, 169, M.T. cloth Market, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Eastern Portion of H. No. 34, Rajwada Chowk, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1023.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-10-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
2. Smt. Mrinamini, Raje, w/o Shrimati Malhar Rao Holkar;  
3. Shri Jagdipendrasingh;  
4. Shrimant Anshumanrao;  
5. Shrimant Gautamrao;  
(all r/o Ramniwas Kothi), Pipliyapala, Indore.  
(Transferees)

- (2) Shri Jivraj S/o Tokarsi, r/o 196, M.T. Cloth Market, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Eastern Portion of H. No. 34, Rajwada Chowk, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1024.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
House (Part) situated at Indore.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Indore on 25-10-77,  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay under the said Act, in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Malhar Rao;  
2. Smt. Mrinalini, Raje, w/o Shrimant Malhar Rao  
Holkar;  
3. Shri Jagdipendrasingh;  
4. Shrimant Anshumanrao;  
5. Shrimant Gautamrao;  
(all r/o Ramniwas Kothi), Piphiyapala, Indore.  
(Transferors)

- (2) Shri Rajinder Kumar Basantlalji Banthia, 34, Raj-  
wada Chowk, Indore.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Eastern Portion of H. No. 34, Rajwada Chowk,  
Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Babulal Jain S/o Shri Daulatram Jain, R/o Loha Bazar, Bhopal.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Ramkalidevi w/o Shri Chagga Lal, 2. Shri Chaganlal S/o Shri Mannalal Soni, R/o Chandpura, Teh. &amp; Distt. Raisen.

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 3rd June 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1025.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Three storeyed house in Ward No. 15, Mangalwara, Bhopal.

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Noorbi W/o Jalil Khan Pathan, R/o Islampur, Bhopal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Latif Khan S/o Shri Abdul Hamid Khan R/o Unani Safakhana, Bhopal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1026.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 19-11-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed house in Ward No. 29, Jinsi Road, Jehangirabad, Bhopal.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) M/s Tanwani Trading Company, Jagdalpur, through its four partners.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s Shri Sidheshwar Rice &amp; Oil Mill, Aghanpur through its eight partners.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1027.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Bldg & Mac situated at Jagdalpur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 28-11-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing Khasra No. 16 area 3.80 acres out of total area 4.80 acres, situated at village Aghanpur, Distt. Bastar, including all Buildings, machineries, Plants, Rice Mill, Oil Mill Plant, complete with expellers and Oil Ghanis complete with electric motors and one steam boiler and all or every immovable properties standing or attached to the said lands.

T. K. SRINIVASAN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1028.—Whereas, I T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Malhar Rao Holkar;  
2. Smt. Mrinalini Raje W/o Shri Malhar Rao Holkar;  
3. Shri Jagdipendrasingh;  
4. Shri Anshuman Rao;  
5. Shri Goutam Rao and  
6. Ku. Sangita Raje D/o Malhar Rao Holkar, r/o Ram Niwas Kothi Piplya Pala, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Mansukhlal M. Sojatiya, HUF through Karta Om Prakash Sojatiya, R/o 27, Rajwada, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Western Portion of House No. 34, Rajwada, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1029.—Whereas, I  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. House situated at Indore,  
(and more fully described in the  
schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Indore on 4-10-1977,  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Smt Naimadabai wd/o Shri Kanhaiyalalji Ozha;  
Shri Mahendrakumar; 3. Shri Tarunkumar S/o Shri  
Kanhaiyalal Ozha, R/o 10/2, Tamboli Bakhal,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Ramchandra S/o Shri Sitaram Jain, R/o 108,  
Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Eastern Portion of House No. 2, Tamboli Bakhal, Main  
Road, Indore.

T. K. SRINIVASAN.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Damodar S/o Onkarlal & Shri Satyanarayan  
S/o Onkarlal, R/o Khurampura, Tarajpur, Dist. W.  
Nimar, Khargone (M P)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mangilal S/o Keshrimal Kothari, r/o Kasba  
Sanwer, (MP).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 3rd June 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1030.—Whereas, I,  
T. K. SRINIVASAN,  
being the Competent Authority, under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. House situated at Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Indore on 17-10-77,  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act  
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

16—126GI/78

## THE SCHEDULE

House No. 59, at Sahid Bhagatsingh Marg, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri Mohd. Yusuf s/o Abdul Khalil, R/o Silawat-pura, H. No. 128, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shivkumar Antarvedi s/o Shri Chunnilal Antarvedi, 1/o 60, Veer Sanwarkar Market, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1031.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated on Plot No. 16, North Harsiddhi, Indore.

T. K. SRINIVASAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Saitschandra S/o Shri Sohanlalji Sanghi, R/o 25, Palasia Main Road, Indore; (2) Smt. Anandibai d/o Shri Thakur Atmaram Singh Bayas, Executor, R/o 7/2 Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1032.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 14-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Smt. Kanchanbai w/o Shri Anantlalji Maheshwari, r/o 146, Dashera Maidan, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6/267 (Part) situated at Shanku Marg, Freeganj, Ujjain.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal:

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1033.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land situated at Village Dighe, Teh. Burhanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 4-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Dattu; 2. Shri Murlidhar, both sons of Shri Jivram Patil r/o Baghoda, Bujrug, Teh. Rawer.  
(Transferor)

- (2) Shri Waman s/o Yeshwant Vichwe; & Shri Santosh s/o Yeshwant Vichwe (minor) r/o Kochur Bujrug, Teh. Rawer.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 16.97 acres Kh. No.(New) and Kh. No. 25 (old) in village Dighe, Teh. Burhanpur, Dist. East Nimar & well.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kesharbai Ramsinghji Dhoora, R/o H. No. 29, Subhash Marg, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jashibai Shantilalji Saraf, Rajgarh, Teh. Sardarpur, Distt. Dhar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1034.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

## THE SCHEDULE

H. No. 29, Subhash Marg, Indore, (Part comprising of ground floor and first floor with land under the building).

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1035.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kesharbai Ramsinghji Dhoora, r/o H. No. 29, Subhash Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadrabai Manoharlalji Jain, r/o Rajgarh, Teh. Sardarpur, Distt. Dhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

M. H. No. 29, Subhash Marg, Indore (Part comprising of only 2nd floor and 3rd floor with terrace & room on terrace but without land).

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vithal Waman Khole, Seth Apartment Kailash Park Colony, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saviiribai w/. Hiralalsa, Ozhar Township, Teh &amp; Distt. Nasik Maharashtra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1036.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 112, Kailash Park Colony, Indore.

T. K. SRINIVASAN

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Surendrasingh Rajendrasingh Namli, R/o 1/1, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shantidevi w/o Shri Ramnarayanji Gupta, r/o 54, Malharganj, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1037.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1/1, at South Tukoganj, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd June 1978

(2) Smt. Mahalakshmi Grah Nirman Sahakari Samiti, Indore, through President Siremal Chordia s/o Shri Keshrimal Chordia, 48, Mahavir Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rakhabchand S/o Shri Mishrilal Jain, r/o Nihalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1038.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—126GI/78

## THE SCHEDULE

House No. 44, at Mahavir Nagar, Indore.

T. K. SRINIVASAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Dinkar Madhav Kutumbale, 12, Khatipura, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) (i) Shri Ramratan Datarsingh, r/o 10/3 Snehlata-ganj, Indore; (ii) Shri Bhagwansingh Shri Kishan, &amp; (iii) Ayodhyabai Wd/o Shri Kishan, 1/3, Sneh-lataganj, Indore.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1039.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 15-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

House No. 10, Street No. 3, Snehlataganj, Indore—Comprising Area 80'×28'2". (Eastern Portion).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**T. K. SRINIVASAN**  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Balkrishna s/o Keshavraoji Dighe, at present residing at Indrapuri Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indirabai wd/o Umajirao Manurkar, r/o Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1040.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 13-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6:135 (part), new No. 13, situated at Sabud Park, Ujjain.

T. K. SRINIVASAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1041.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Barwani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barwani on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) (i) Shri Kaluram s/o Shri Hiralal; (ii) Smt. Parwatibai w/o Shri Kaluram, R/o Barwani. (Transferor)  
(2) Shri Deepak Bhai Ramesh S/o Shri Ghisaram Bhatia, R/o Ranjeet Chowk, Barwani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated at Ranjeet Chowk, Basti Barwani.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Adil S. Marfatia, 9/7 Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Laxmandas Lalchand, Jairampur colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1042.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 11-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 81, M. T. Cloth Market, Indore.

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1043.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 26-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Smt. Ayodhyabai wd/o Bhagwandasji; (ii) Shri Anantbhai s/o Bhagwandasji Jadhav; (iii) Smt. Sarlaben w/o Shri Anantbhai Jadhav; (iv) Shri Arunkumar &amp; (v) Dr. Sunilkumar s/o Anantbhai, R/o Gundi Bakhal, Malipura, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Sharadchandra S/o Shri Chhotmalji Mutha, (Jain), R/o Seth Ramchandra-ki-gali, Chhota Sarafa, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1/868, New No. 8, St. No. 7, Laxmibai Marg, Ward No. 21, Gundi Bakhal Malipura, Ujjain.

T. K. SRINIVASAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1044.—Whereas, I, T. K. SRINIVASAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bunglow, Land & Out-houses situated at Chindwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chindwara on 27-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Narbada Prasad S/o Shri Narayandas Agarwal, Contractor, R/o Chindwara.

(Transferor)

(2) Smt. Mallibai wd/o Shri Narayandas Agarwal, Contractor, R/o Ghoda Dongri, Teh. & Distt. Betul

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A bunglow with out-house and open land, situated at civil line, Nagpur Road, Wd. No. 10 Chindwara (House No. 45.)

T. K. SRINIVASAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-6-1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 30th May 1978

Ref. No. Acq/1364-A/Meerut/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 17-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Dr. Udaiveer Singh S/o late Kharak Singh Self and Mukhtaram of his son Master Shekhar R/o IV, No. 7 Y.V.R.L. Ijratnagar, Bareilly. (Transferor)
2. Shri Parmanand Gupta S/o Khoob Chand Gupta 88/2, Kailashpuri, Garh Road, Meerut. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property consisting of double storied house bearing new No. 197, situated at Western Kutchery Road, Nandan Garden, Meerut, Transferred for an apparent Consideration of Rs. 1,20,000/-.

**R. P. BHARGAVA,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 30-5-78  
Seal :



## FORM ITNS—

1. Shri Rishi Raj Jain, 113/45, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)2. S/Shri Mohan Das R/o 113/45, Swaroop Nagar,  
Kanpur and Lal Chand & Arjun Das 111/93, Ashok  
Nagar, Kanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—Ref. No. Acq/825/KNP/77-78/1049.—Whereas, I, R. P.  
BHARGAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingnumber as per schedule situated at as per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kanpur on 18-10-77for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 113/45, Swarop Nagar,  
Kanpur, Transferred for an apparent consideration of  
Rs. 2,35,000/-R. P. BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

126 GI/78

Date : 31-5-78

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ishwarlal Jayantilal Parekh, 10, Digvijaya Plot, Jamnagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Sushilaben Devchand, Zalanozar, Pipala Sheri, Jamnagar, Smt. Champaben Jamnadas Zalanozar, Pipala Sheri, Jamnagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1976

No. Acq.23-I-1503(664)/10-1/77-78.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal Plot No. 113, Sub. Plot No. 113/1 situated at Sumair Club Road, Jamnagar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 29-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2800 sq. ft. i.e. 260-12-58 meters, bearing Municipal Plot No. 113, Sub-plot No. 113/1, situated at Sumair Club Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1528 dated 29-10-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 2nd June, 1978  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 2nd June 1976

No. Acq.23-I-1496(665)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 417 situated at the junction of Tagore Road, Nr. Kalyan Society, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) I. Patel Popatbhai Raghavbhai Parsana self and as guardian of the minors :  
1. Minor Anil Popatbhai,  
2. Minor Kishor Popatbhai and  
3. Minor Ashok Popatbhai, Vidyannagar, Main Road, Opp. Mai Mandir, Rajkot.

II Shri Chandulal Popatlal, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Smt. Muktagauri Bhagwanjibhai Vaghari; Happy Home, Kalavad Road, Behind Mahila College, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 523.20 sq. mts. bearing S. No. 417, situated at Junction of Tagornagar, near Kalyan Society and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2564 dated 15-10-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 2nd June, 1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th June 1978

No. Acq.23-I-1499(667)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8-B, S. No. 374 situated at Jayant Society Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27th Oct., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagmohan Girdharlal Vakharia (HUF), Jayant Society, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Dhirajlal Vastabhai Naundhanavadara Jayant Society, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 560 sq. yds. bearing S. No. 374 Plot No. 8-B situated at Jayant Society, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2733 dated 27-10-77.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5th June, 1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Laxmanrao Vinayakrao Hingane, At &amp; Post Chandori, Tal. Niphad, Dist. Nasik.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Laxi Bhivaji Ramchandra Korde, (2) Shri Tukaram Bhivaji Korde. At &amp; Post : Chandori, Tal. Niphad, Dist. Nasik.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, PUNE-411 005

Pune-411 005, the 6th May 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CA5/Niphad/Oct '77/355.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 3762 situated at Chandori, Distt. Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Niphad on 17-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Gat No. 3762 at Chandori, Tal. Niphad Dist. Nasik, Area 2 H-98 R.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1172 dated 17-10-77 in the office of the Sub-Registrar, Niphad).

Smt. P. LALWANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,

Date 6-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-411 005

Pune-411 005, the 6th May 1978

Ref. No. CA5/Nasik/Oct '77/356.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 6707, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 14-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Dinkar Waman Warti, (2) Smt. Marati Dinkar Warti, "Waman Niwas", Warti Colony, Nasik-1.

(Transferor)

- (2) Shri Dilip Muralidhar Rahane, Somwar Peth, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property C. S. No. 6707 at Nasik.  
(Property as described in the sale deed registered under No. 1143 dated 14-10-1977 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

Smt. P. LALWANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date 6-5-1978  
Seal :

**FORM ITNS**(1) (1) Gope N. Virwani, (2) Ramesh N. Virmani,  
Commerce House, Meadows Street, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Five Star Co-operative Housing Society Ltd. Bund  
Garden Road, Poona-1.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, PUNE-411 005**

Poona 411 005, the 10th May 1978

Ref. No. CA5/Jan. '78/Haveli-II/Poona/357/78-79.—  
Whereas, I, Smt. P. LALWANI,being the Competent Authority under Section 269B,  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.No. Final plot No. 262A situated at Sangamwadi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
Haveli-II, Poona on 12-1-1978for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

Final plot No. 262A at Sangamwadi, T. P. Scheme III.  
Area 8081 sq. mts. & C. T. S. No. 23 Poona city with build-  
ing 2520 sq. mts.

(Property as described in the Sale deed registered under  
No. 68 12-1-78) in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II,  
Poona).

Smt. P. LALWANI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-5-1978  
Seal :

## FORM ITNE-----

(1) Shri Jagannath Vitthal Patel, At Kadholi, Tal. I  
dol, Dist. Jalgaon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (1) Shri Naraiah Krishnaraj Jadhav, (2) Shri Bhim  
singh Krishnaraj Jadhav, (3) Shri Jagannath Krishna  
raj Jadhav & (4) Shri Pandurang Krishnaraj Jadhav,  
All at Rupnagar, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-411 005

Poona-411 005, the 25th May 1978

Ref. No. CA5/Erandol I/Decr. 77/358—Whereas, I,  
Smt. P. LALWANIbeing the competent authority under section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a  
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Gat No. 46/1 situated at Mouje Takarkhede, Jalgaon  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Erandol-I on 1-12-1977for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-  
lieve that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer and/  
or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land Gat No. 46/1, at Mouje Takarkhede  
Shivar, Tal. Erandol, Dist. Jalgaon. Area 34 acre 37 Gunthe.  
(Property as described in the sale deed registered under  
No. 1342 dated 1-12-1977 in the office of the Sub-Registrar  
Erandol-I, Dist. Jalgaon)Smt. P. LALWANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, PoonaNow therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date : 25-5-1978  
Seal :